

हेलेन केलर कौन थी?

गारे थॉम्पसन

चित्र : नैन्सी हैरिसन

हेलेन केलर कौन थी?

गारे थॉम्पसन

चित्र : नैन्सी हैरिसन



विषय सूची

हेलेन केलर कौन थी?

100 साल से पहले जन्मी हेलेन ने बोलना, पढ़ना और लिखना सीखा. वो कोई ख़ास और महान उपलब्धि नहीं हो सकती. लेकिन हेलेन केलर बहरी और नेत्रहीन दोनों थीं. कल्पना करें कि आपके कान रुई से भरे हों. आप कुछ सुन नहीं सकते हों - अगर कोई ज़ोर से चिल्लाए तब भी. एक काली पट्टी आपकी दोनों आंखों पर कसकर बंधी हो. आप कुछ देख भी नहीं सकते हो. आपकी दुनिया अंधेरी और खामोश हो. हेलेन केलर की दुनिया बिल्कुल वैसी ही थी.



जब हेलेन बड़ी हुई, तो कुछ बहरे लोगों ने बोलना सीखा. तब बहरे और नेत्रहीन बच्चों के लिए बहुत कम ही स्कूल थे. कुछ नेत्रहीन लोगों ने भी पढ़ना-लिखना सीखा. हेलेन केलर ने न केवल पढ़ना और बोलना सीखा, उन्होंने उसके आलावा और बहुत कुछ किया. उन्होंने कई बेस्ट सेलर पुस्तकें लिखीं और उन्होंने दुनिया भर में व्याख्यान दिए. उन्होंने यह दिखाया कि उनकी बाधायें उन्हें कभी रोक नहीं पाईं. सबसे बढ़कर, उन्होंने उन लोगों को आशा दी, जो उनकी तरह सुन या देख नहीं सकते थे.



अध्याय 1
शुरूआती साल

हेलेन केलर का जन्म 27 जून, 1880 को अलबामा के टस्कुम्बिया में हुआ था. उनके पिता आर्थर केलर, दक्षिण के गृहयुद्ध में लड़े थे. युद्ध के बाद, वो अपने फार्म पर वापिस लौटे. अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद उन्होंने केट एडम्स नाम की एक महिला से शादी की. पहली शादी से उनके दो बेटे थे. उनकी युवा पत्नी आर्थर केलर को "कप्तान" कहकर बुलाती थी.



कप्तान केलर



केट केलर

कैप्टन खेती करने के अलावा स्थानीय अखबार के संपादक भी थे. वो शांत, पर कठोर स्वभाव के थे.

परिवार की पहली लड़की, बेबी हेलेन उनके जीवन में नई रोशनी लाई. वो हँसती और चिल्लाती थी. हेलेन अपनी माँ की आँख का तारा थी.



उसके पिता उसे बहुत प्यार करते थे. हेलेन ने अपने शुरुआती जीवन के बारे में लिखा. "मेरे जीवन की शुरुआत सरल और सामान्य थी और दूसरे छोटे बच्चों की तरह ही थी ... मैं आई, मैंने देखा, मैंने जीत हासिल की, जैसा कि परिवार का पहला बच्चा हमेशा करता है."



हेलेन स्मार्ट थी. उसने जल्दी बोलना शुरू किया. उसके पहले शब्द थे "टी, टी, टी," और "वाह-वाह" पानी के लिए. अगर उसे चीजों के शब्द नहीं पता होते, तो हेलेन संकेत द्वारा मां को दिखाती कि वो क्या चाहती थी. उसने कम उम्र में ही चलना सीख लिया था. जल्द ही हेलेन घर में चारों ओर दौड़ने लगी.

फिर दो साल की उम्र से पहले ही हेलेन बीमार पड़ी. बहुत बीमार. उसे बहुत तेज बुखार आया. उस समय बीमारियों को ठीक करने के लिए बहुत कम दवाएं थीं. डॉक्टर को लगा कि हेलेन मर जाएगी.



तभी अचानक बुखार उतरा. हेलेन शांति से सो गई. उसका परिवार खुशी से झूम उठा. उनकी प्यारी बेटी फिर ठीक हो गई.

लेकिन हेलेन ठीक नहीं थी. जब हेलेन की माँ उसे नहला रही थीं, तब उन्होंने अपना हाथ हेलेन के चेहरे के सामने घुमाया. पर हेलेन ने अपनी पलक नहीं झपकाई. हेलेन की आंखें सीधे आगे की ओर देख रही थीं. केट ने फिर कोशिश की. उन्हें लगा कि शायद उन्होंने गलती की होगी. लेकिन वैसा नहीं था.

हेलेन अंधी हो गई थी. और वो इतना ही नहीं था.

हर शाम परिवार को डिनर पर बुलाने के लिए एक घंटी बजाई जाती थी. सभी उस तेज़, कर्कश आवाज को सुनते. फिर सब लोग अपना काम छोड़कर रात के खाने पर आते थे. लेकिन केट ने देखा कि हेलेन अब अपना सिर घंटी की ओर नहीं घुमाती थी. केट ने कप्तान और उनकी बहन एवलिन को बुलाया. एवलिन उनके साथ ही रहती थी.





वे हेलेन पर चिल्लाए. वे धीरे से बोले. उन्होंने अपने हाथों को उसके कानों के पास ताली बजाई. लेकिन हेलेन ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी. मिसेज़ केलर का डर सच निकला. उनकी बेटी नेत्रहीन होने के साथ-साथ बहरी भी थी.

हेलेन के माता-पिता उसे डॉक्टर के पास ले गए. डॉक्टर ने उसकी जाँच की, लेकिन वो कुछ नहीं कर सका. मिसेज़ केलर ने सोचा, अब उनकी स्मार्ट, सुंदर छोटी लड़की अपनी खामोश, अंधेरी दुनिया में कैसे जीना सीखेगी?

अध्याय दो
काले साल

हेलेन की दुनिया में कोई दिन या रात नहीं थे. वो सुबह के उगते सूरज या रात में चाँदी की चमक वाले चाँद को नहीं देख सकती थी. वो पक्षियों के गीत या झींगुर की चहक नहीं सुन सकती थी. वो एक खामोश अंधेरे में रहती थी. कल्पना करें कि अगर आप सुन, देख या बोल नहीं सकें तो?





आप लोगों को अपनी बात कैसे समझायेंगे? आप कैसे "बात" करेंगे?

हेलेन स्मार्ट थी. वो हर जगह अपनी मां का पीछा करती थी. वो उनकी स्कर्ट से चिपकी रहती थी.

हेलेन ने अलग-अलग गंध सूँघीं. जैसे-जैसे लोग और चीजें उसके चारों ओर घूमतीं, वो उनका कंपन महसूस करती थी. समय के साथ, हेलेन ने संवाद करने के तरीके खोजे. वो क्या चाहती थी यह बताने के लिए उसने कुछ संकेत बनाए.

जब हेलेन छोटी थी तब बहरे या नेत्रहीन बच्चों के लिए कोई स्कूल नहीं थे. अलबामा में जहाँ वो रहती थी वहां कोई भी विशेष स्कूल नहीं था. बहरों के स्कूलों में, बच्चे अपने हाथों से संकेत बनाना सीखते थे. यह संकेत, शब्दों के लिए होते थे.

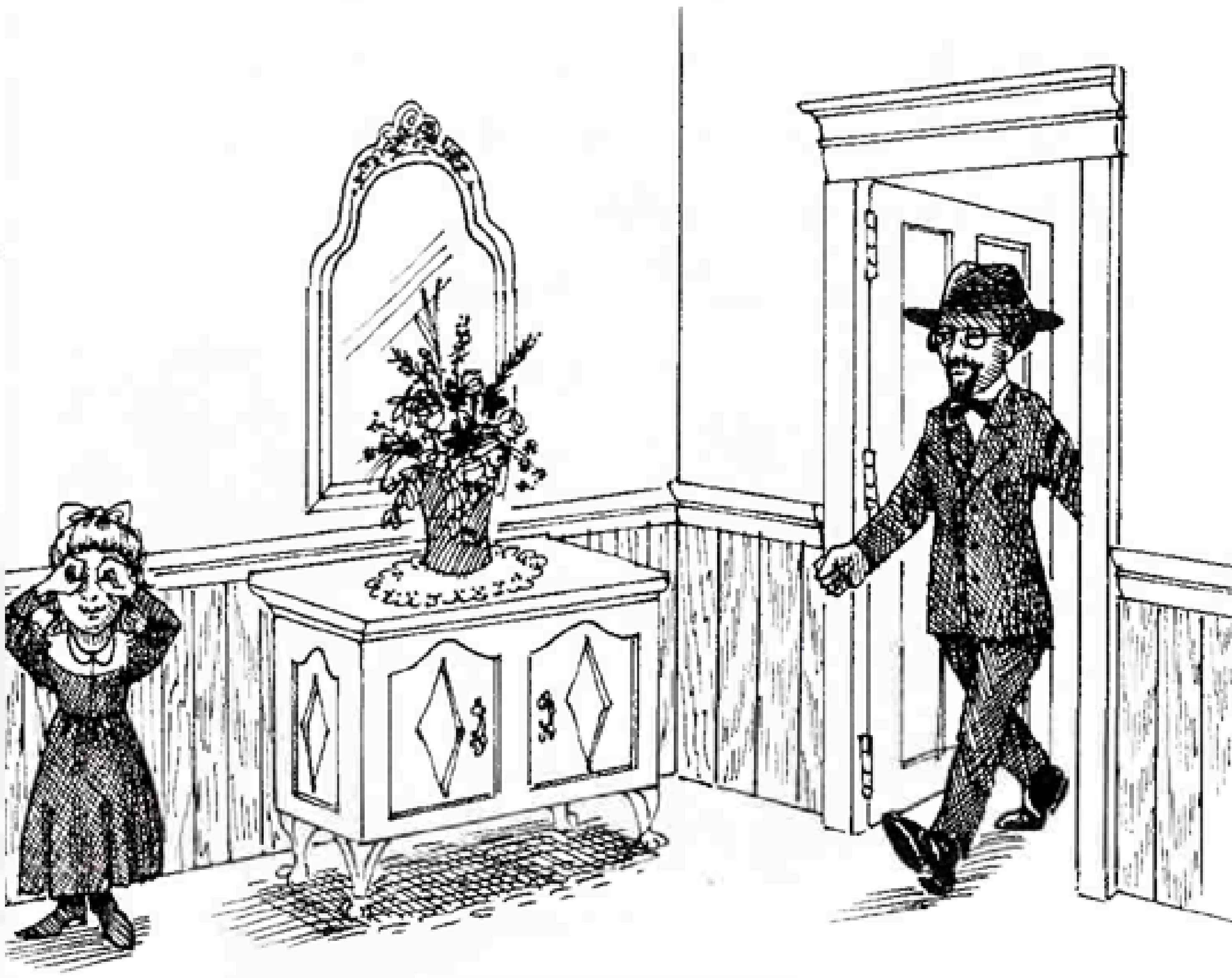
जब वो पाँच वर्ष की हुई, तब तक हेलेन ने खुद अपने पचास से अधिक संकेत बनाए थे. जब वो अपनी माँ या पिता को खींचती उसका मतलब होता, "मेरे साथ चलो."

सांकेतिक भाषा



बहुत पहले, पेरिस, फ़्रांस में बहरे लोगों के एक समूह ने अपनी स्वयं की सांकेतिक भाषा (साइन लैंग्वेज) विकसित की. फिर, 1755 में, एक शिक्षक एबी चार्ल्स माइकल जो सुन सकता था ने इन संकेतों को सीखा और एक स्टैण्डर्ड सांकेतिक भाषा बनाने के लिए उसमें कुछ नए संकेत जोड़े. अब सुनने वाले और बहरे लोग आपस में संवाद कर सकते थे! आज भी हम उन बहुत पुराने फ़्रांसीसी संकेतों में से कई का उपयोग करते हैं.

जब वो माता-पिता को दूर भेजना चाहती तो वो उन्हें हाथ दिखाकर भगाती. "ब्रेड" के लिए हेलेन स्लाइस काटने और उस पर मक्खन लगाने का एक्शन करती. "छोटा" कहने के लिए, हेलेन अपने हाथ की त्वचा की एक छोटी सी चुटकी काटती. हेलेन अपनी उंगलियों को चौड़ा करके "बड़ा" दर्शाती थी. हेलेन के पास उसके परिवार में सभी लोगों के लिए भी संकेत थे. कप्तान, या पिता के लिए, हेलेन चश्मे की नकल करती और अपनी माँ के लिए, वो अपने बालों को अपने सिर के पीछे एक गाँठ में खींचती.



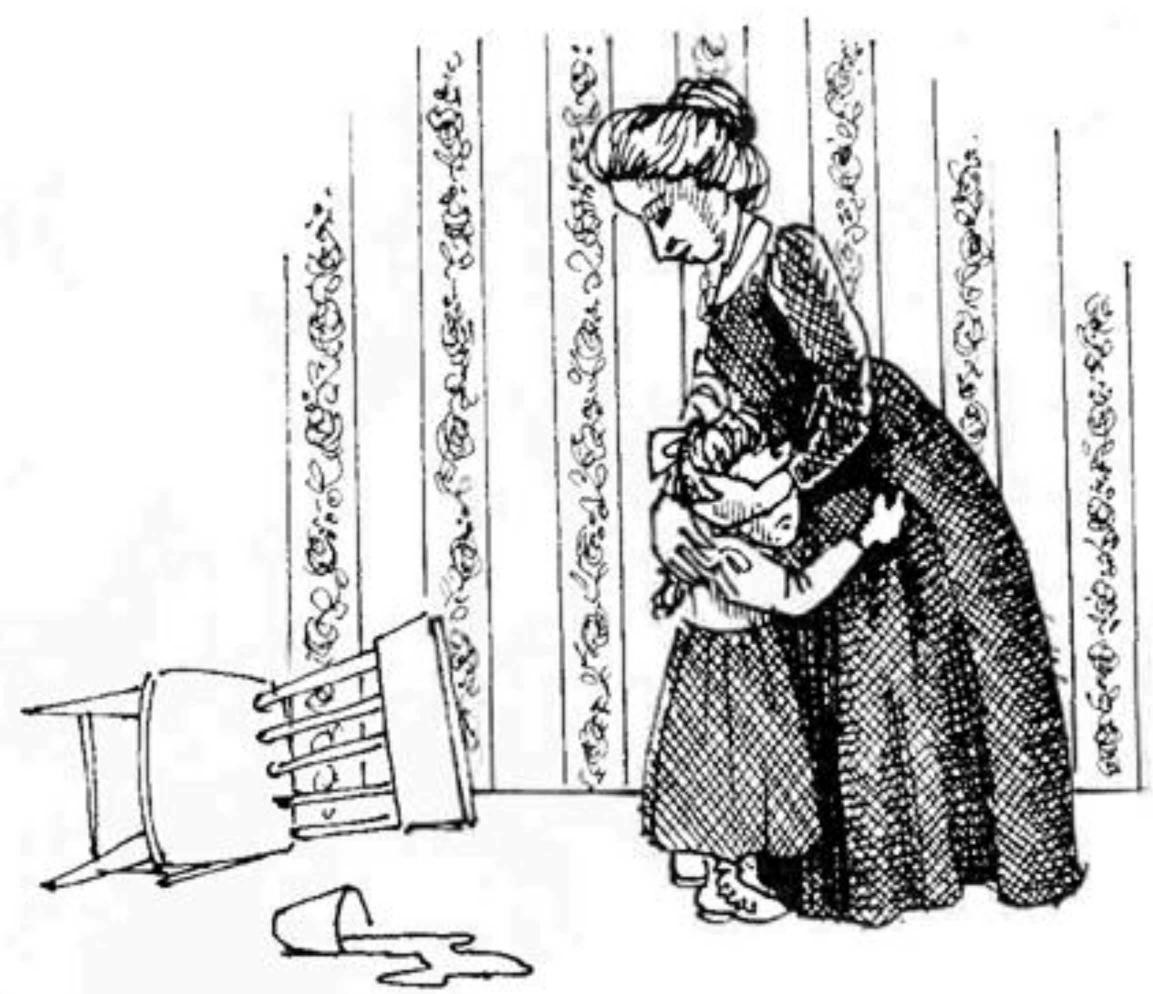
परिवार ने हेलेन को समझने की कोशिश की, लेकिन वो काम आसान नहीं था. उसका गुस्सा भयानक था. जब हेलेन अपनी बात नहीं मनवा पाती तो वो आप से बाहर हो जाती थी.

हेलेन जानती थी कि लोग अपने होठों से बात करते हैं. उसने अपने होठों को हिलाने की कोशिश की, लेकिन कोई आवाज नहीं निकली. वो समझ नहीं पाई क्यों? पर इसने हेलेन को इतना पागल बना दिया की उसने लात मारी और हताशा से चिल्लाई. उसके नखरे तभी बंद हुए जब वह इतनी थक गई कि अब वो चिल्ला भी नहीं सकती थी.

हेलेन के माता-पिता नहीं जानते थे कि उसे कैसे संभाला जाए. रिश्तेदारों ने उनसे कहा कि हेलेन को अब घर पर नहीं रहना चाहिए. उसे "दूर रखा जाना चाहिए." इसका मतलब था हेलेन को, नेत्रहीनों और बहरों के लिए अस्पताल या घर में रखना.



उन्नीसवीं सदी में, विकलांग लोगों को अक्सर इस तरह भेज दिया जाता था. एक बार उन्हें विदा करने के बाद, उनका परिवार अक्सर उन्हें कभी दोबारा नहीं देखता था. लेकिन मिसेज़ केलर अपनी बेटी के साथ ऐसा नहीं करना चाहती थीं. वो जानती थीं कि उनकी बेटी होशियार थी. लेकिन कोई उसे कैसे पढ़ा सकता था?



अध्याय 3
हेलेन ने खुद को सिखाया

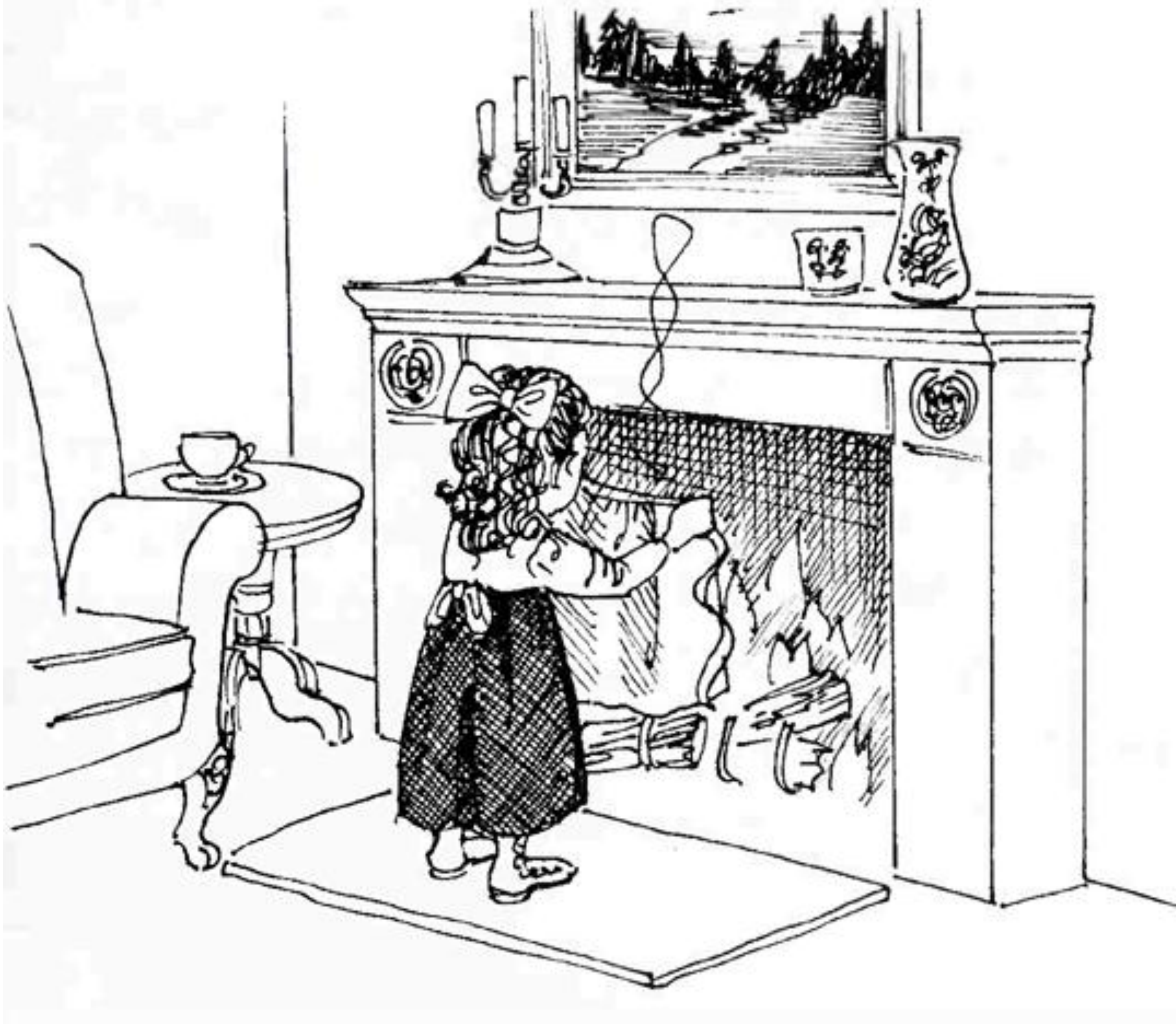
यहां तक की हेलन की अंधेरी दुनिया में भी कुछ खुशहाली थी. उसे बाहर रहना पसंद था. वो ध्यान से घर की दीवारों को छू-छूकर अपना रास्ता महसूस करती थी. हेलेन को घर के चारों ओर उगने वाले पौधे छूना पसंद थे. वो हर फूल को सूंघती थी. जल्द ही वह पौधों को छूकर और उनकी गंध से उन्हें पहचान सकती थी. वो इस तरह जानकारी हासिल करती थी.

.



हेलेन ने साधारण काम करने सीखे. वो धुले कपड़ों को तह करती थी. उसे अपने कपड़े पता थे. उसे यह भी पता था कि जब माँ कोट पहनती थीं, तो वो बाहर जा रही होती थीं. तब हेलेन भी साथ जाने के लिए उनका कोट खींचती थी

लेकिन हेलेन के लिए रोज़मर्रा की दुर्घटनाएं खतरनाक हादसों में बदल सकती थीं. एक बार हेलेन के एप्रन पर कुछ पानी गिर गया. वो उसे सुखाना चाहती थी. इसलिए उसने अपना एप्रन अलाव के पास रखा. उसे आग के इतना करीब होने का एहसास नहीं हुआ. उसके एप्रन में आग लग गई.





आनन-फानन में उसकी नर्स ने आग बुझाने के लिए कंबल का इस्तेमाल किया. हेलेन की उंगलियों और बाल कुछ जल गए. हेलेन बहुत भाग्यशाली थी कि वो बच गई. जैसे-जैसे वो बड़ी हुई, हेलेन में शरारत की भावना विकसित होने लगी. उसे शरारत करना पसंद था. एक दिन, हेलेन को कुछ चाबियां मिलीं. वो जानती थी कि वो चाभी दरवाजा बंद करने के लिए थीं. उसकी माँ पेंट्री में कुछ लेने गई थी, और हेलेन बाहर थी. हेलेन ने चाभी ली और अपनी मां को पेंट्री में बंद कर दिया. माँ ने खूब दरवाजा खटखटाया. वो बाहर जाने के लिए चिल्लाईं. हेलेन बरामदे में बैठी रही जहाँ वो अपनी माँ के तेज़ी से दरवाज़ा खटखटाने की कंपन को महसूस कर सकती थी. हेलेन वहीं बैठ गई और मुस्कुराती रही. मिसेज़ केलर तीन घंटे तक पेंट्री में बंद रहीं.





हेलेन और मार्था वाशिंगटन, नामक एक युवा नौकरानी अक्सर एक साथ खेलते थे. मार्था, हेलेन से कुछ साल बड़ी थी. लेकिन खेल में हमेशा हेलेन की ही धौंस चलती थी. एक दिन वे बरामदे में बैठकर कागज की गुड़िए काट रहे थे. हेलेन जल्द ही उससे थक गई. फिर उसने वहां पास के गमलों में उगने वाले सब फूलों को काट डाला. उसके बाद हेलेन ने मार्था के बाल काटने का फैसला किया. मार्था ने पहले तो मना किया, लेकिन फिर हेलेन की ज़िद्द के सामने हार मान ली. बहुत कम लोग ही हेलेन को मना कर पाते थे. कुछ ही समय बाद मार्था के बाल हेलेन के पैरों के पास पड़े थे.



और, फिर शायद हेलेन ने अपनी गलती महसूस की और मार्था को अपने लंबे, सुनहरे बाल काटने दिए. हेलेन की मां दोनों बच्चों पर बहुत गुस्सा हुईं.

हेलेन का एक अन्य मित्र उसके परिवार का कुत्ता, बेले था. हेलेन ने कुत्ते को उसके संकेत सिखाने की कोशिश की. लेकिन उसका कुत्ता बस सोता ही रहा या फिर चिड़ियों के पीछे भागता रहा. हेलेन समझ नहीं पाई कि उसका बेले इतना कमज़ोर छात्र क्यों था.

और इस तरह हेलेन ने अपने दिन गुजारे.





जब हेलेन पाँच वर्ष की थी, तब उसकी बहन मिल्ड्रेड का जन्म हुआ. अचानक हेलेन की दुनिया बदल गई. अब किसी और को उसकी मां के प्यार की जरूरत थी. उसकी माँ की गोद में अब कोई और बैठा था. हेलेन को उस बच्ची से जलन होने लगी जो माँ को उससे दूर ले जा रही थी.

एक दिन, हेलेन ने पाया कि उसकी छोटी बहन उसकी गुड़ियों के छोटे पालने में सो रही थी. हेलेन बहुत गुस्सा हुई. इससे पहले कि कोई और उसे रोक पाता, हेलेन ने पालने को जोर से धक्का दिया. मिल्ड्रेड बाहर गिर गई. सौभाग्य से, मिसेज़ केलर ने फर्श पर गिरने से पहले मिल्ड्रेड को पकड़ लिया. अब, मिसेज़ केलर ने महसूस किया कि हेलेन न केवल खुद के लिए एक खतरा थी. वो दूसरों के लिए भी खतरा बन सकती थी.



यदि माँ, युवा हेलेन को अभी नियंत्रित नहीं कर पा रही थीं तो हेलेन के बड़े होने पर क्या करती? हेलेन को हर हालत में बदलना ही होगा.

केलर परिवार हेलेन को बाल्टीमोर, मैरीलैंड में एक अन्य डॉक्टर के पास ले गए. वो डॉक्टर एक नेत्र रोग विशेषज्ञ थे. फिर से परिवार को वही शब्द सुनने को मिले. डॉक्टर हेलेन के लिए कुछ नहीं कर सकते थे. लेकिन डॉक्टर ने कैप्टन केलर को अलेक्जेंडर ग्राहम बेल के बारे में बताया जो वाशिंगटन डी.सी. में रहते थे. बेल ने 1876 में टेलीफोन का आविष्कार किया था. वे बहरे लोगों के पूर्व शिक्षक भी थे. शायद बेल किसी को जानते हों जो हेलेन की मदद कर सके.

बहुत लंबे समय बाद पहली बार, केलर परिवार को उम्मीद की एक किरण दिखाई दी.

अलेक्जेंडर ग्राहम बेल



आज अलेक्जेंडर ग्राहम बेल, टेलीफोन के आविष्कार के लिए जाने जाते हैं. लेकिन उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बहरे लोगों की मदद करने में लगाई. उनकी माँ लगभग बहरी थीं. जब वे युवा थे तब बेल ने बधिर (बहरे) बच्चों को सिखाया था.

उन्होंने बधिरों को बोलना सिखाने के लिए और उनकी जीभ, होंठ और वोकल कॉर्ड का इस्तेमाल करना सिखाने के लिए ड्रॉइंग का इस्तेमाल किया. एक बधिर छात्रा - माबेल हबर्ड उनके साथ काम करती थीं. एक बीमारी के परिणामस्वरूप माबेल ने अपनी सुनने की क्षमता खो दी थी.



पर एक युवा होशियार और उत्सुक लड़की के रूप में, माबेल ने बहुत प्रगति की. समय के साथ, बेल और माबेल दोनों में प्रेम हुआ और उन्होंने शादी की. बेल द्वारा ध्वनि और बोलने के शोधकार्य ने उन्हें 1876 में टेलीफोन बनाने में मदद की.

अध्याय 4
आशा की एक किरण

कैप्टन और मौसी एवलिन के साथ हेलेन, डॉ. बेल को देखने गई. जाने से पहले माँ ने हेलेन के बालों को सावधानी से कंघी से संवारा. हेलेन एक परी जैसी लग रही थी. वो अब लगभग छह साल की थी.



हेलेन, डॉ. बेल के कार्यालय में गई, और वे दोनों तुरंत दोस्त बन गए. हेलेन, बेल की गोद में जाकर बैठ गई. छोटी बच्ची और आविष्कारक एक-दूसरे के साथ पुराने दोस्त जैसा महसूस कर रहे थे. हेलेन ने बाद में अपनी आत्मकथा में लिखा, "वो मेरे संकेतों को समझ गए थे, इतना मैं समझ गई और मैं तुरंत उन्हें चाहने लगी थी."



डॉ. बेल को लगा कि हेलेन ज़रूर सीख सकती थी. उन्हें वो एक स्मार्ट और समझदार लड़की लगी. वो उसे सफल होते देखना चाहते थे. शायद बड़ी होकर हेलेन केलर एक अधिक सामान्य जीवन जी सके. कैप्टन से बात करते समय बेल ने हेलेन को खेलने के लिए अपनी घड़ी दी. उन्होंने कैप्टन को बोस्टन, मैसाचुसेट्स (जो बाद में पर्किन्स स्कूल बना) में पर्किन्स इंस्टीट्यूशन फॉर द ब्लाइंड को पत्र लिखने को कहा.

डॉ. बेल ने कैप्टन को बताया कि चालीस साल पहले एक बहरी और अंधी बच्ची लौरा ब्रिजमैन को हाथ के संकेतों से वहां पढ़ना, लिखना और बात करना सिखाया गया था. उन्हें यकीन था कि कैप्टन केलर वहां हेलेन के लिए कोई सही टीचर ढूंढ पाएंगे.

घर वापस आकर कैप्टन ने पर्किन्स स्कूल के प्रमुख को पत्र लिखा. कैप्टन केलर ने लिखा कि उन्हें अपनी बेटी के लिए एक टीचर की जरूरत थी. फिर कैप्टन केलर बेसब्री से जवाब का इंतजार करने लगे.

पर्किन्स के प्रमुख माइकल एनाग्नोस ने वापस जवाब लिखा और एक टीचर का नाम सुझाया. उसका नाम ऐनी सुलिवन था. कैप्टन केलर उत्तर पाकर काफी रोमांचित हुए. उन्हें यह नहीं पता था कि ऐनी सुलिवन ने अभी काम करने का अपना पक्का मन नहीं बनाया था.

ऐनी सुलिवन कौन थी? ऐनी, एक अनाथ लड़की थी जिसका जीवन बहुत कठिन और अकेला बीता था. बचपन में, वो आंशिक रूप से अंधी थी.

उसे पर्किन्स स्कूल भेजा गया और बाद में, ऑपरेशन ने उसकी दृष्टि बहाल कर दी. ऐनी, पर्किन्स में अपनी कक्षा में प्रथम स्थान पर रही. हेलेन केलर की तरह वो भी बहुत तेज-तर्रार और जिद्दी थी.



बीस साल की उम्र की ऐनी ने, पहले कभी किसी को पढ़ाया नहीं था. उसे यकीन नहीं था कि वो यह काम कर पाएगी. पर मिस्टर एनाग्नोस उसे लगातार प्रोत्साहित करते रहे. उन्हें लगा कि वो नौकरी उस अकेली, बुद्धिमान युवती के लिए सही होगी. वैसे ऐनी के पास और कोई विकल्प भी नहीं था. वो या तो पढ़ाने का काम कर सकती थी या फिर किसी कारखाने में नौकरी कर सकती थी. अंत में ऐनी ने केलर परिवार के साथ काम करने का फैसला किया.



ऐनी को अपनी नई नौकरी की तैयारी में दो महीने लगे. वह लौरा ब्रिजमैन से मिली थी. उसने मैनुअल वर्णमाला सीखी. उसने हाथ में लिखकर लौरा से स्पेलिंग सीखीं और बातचीत की. उसने वर्णमाला सिखाने के विभिन्न तरीकों का अध्ययन किया. ऐनी ने अपनी तरफ से पूरी तैयारी की. लेकिन सच में उसे इस बात का कोई अंदाज़ नहीं था कि उसकी नई नौकरी उसके जीवन को कैसे बदल देगी.

थॉमस हॉपकिन्स गैलाउडेट

थॉमस हॉपकिन्स गैलाउडेट ऑफ हार्टफोर्ड, कनेक्टिकट, वो इंसान थे जो अमेरिका में बहरे बच्चों के लिए शिक्षा लाए. वो अपने पड़ोसी की युवा बहरी बेटी एलिस कॉगस्वेल की मदद करना चाहते थे.



1816 में, गैलाउडेट बहरे लोगों के एक स्कूल में पढ़ने के लिए पेरिस, फ्रांस गए. कुछ महीनों के बाद, वो अमेरिका लौटे, और उन्होंने अपना खुद का स्कूल शुरू करने का निश्चय किया. वो अपने साथ एक फ्रेंच साइन लैंग्वेज टीचर को भी साथ लाए. 1817 में, गैलाउडेट ने हार्टफोर्ड, कनेक्टिकट में बहरे लोगों के लिए देश का पहला स्कूल स्थापित किया. जल्द ही बहरे लोगों के लिए अन्य स्कूल खोले गए. फिर 1864 में गैलाउडेट के बेटे ने वाशिंगटन, डी.सी. में गैलाउडेट विश्वविद्यालय की स्थापना की.

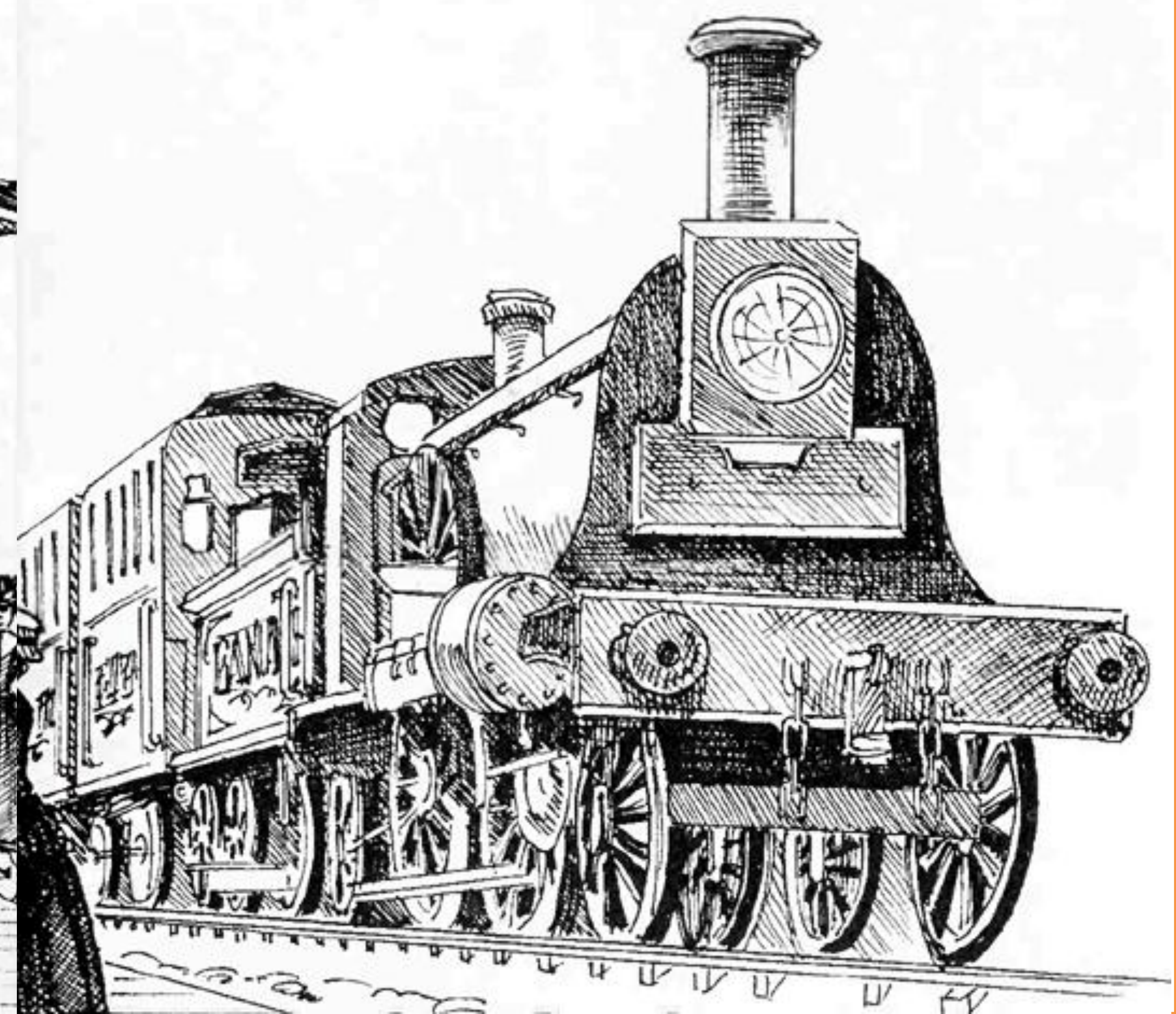
अध्याय 5
ऐनी सुलिवन का आगमन

3 मार्च, 1887 के दिन था. हेलेन को यह नहीं पता था कि वो उसके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन होगा. हेलेन को इतना ज़रूर पता था कि परिवार में हर कोई उत्साहित लग रहा था.



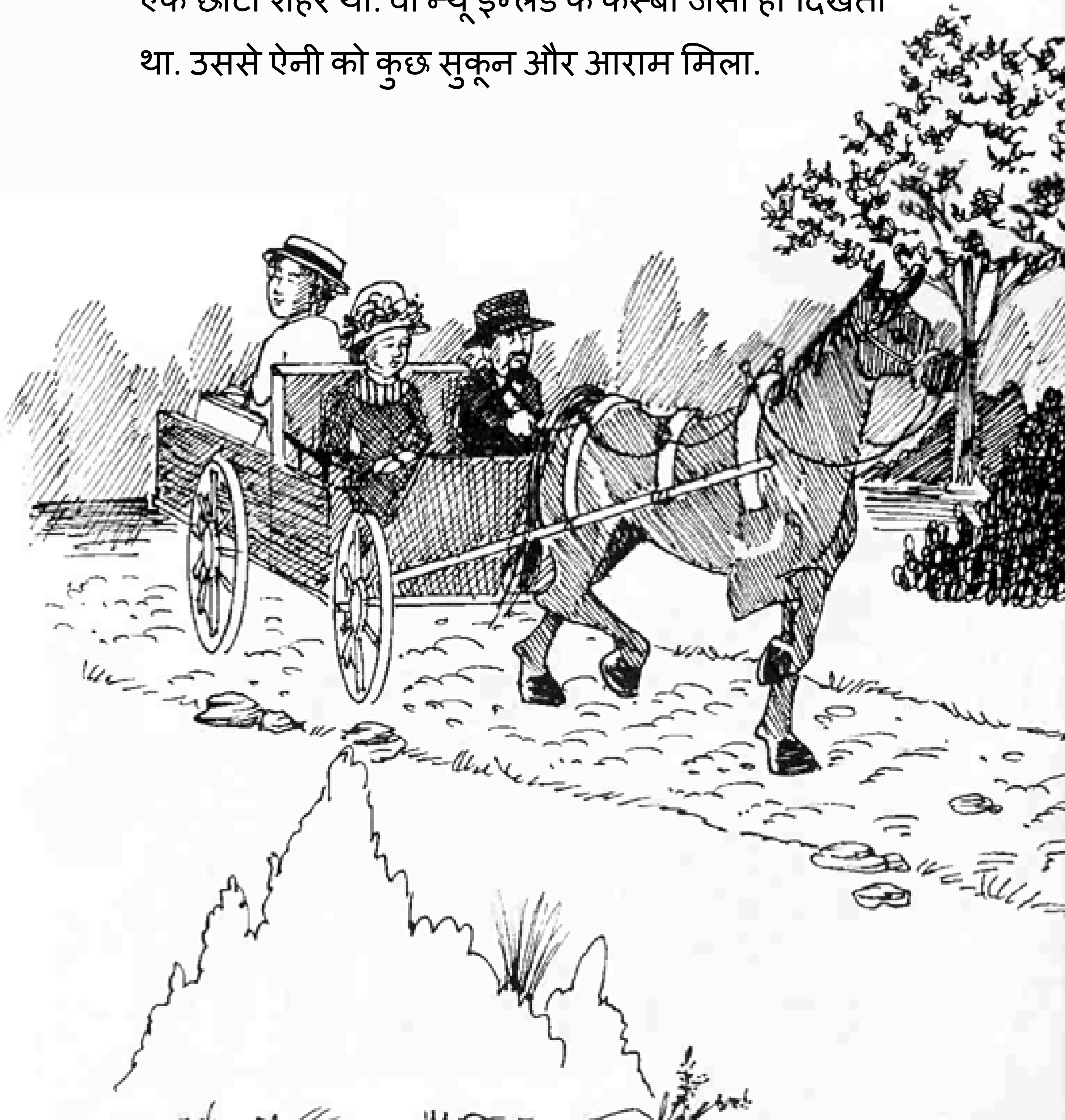
वो हवा में तनाव महसूस कर सकती थी. उसकी मां घर में इधर-उधर दौड़ रही थीं. पूरे घर को साफ और पॉलिश किया गया था. माँ और सौतेले भाई ने ट्रेन स्टेशन जाने के लिए कपड़े पहने थे. हेलेन ने अपनी माँ को खींचा क्योंकि वो भी उनके साथ बाहर जाना चाहती थी, लेकिन माँ ने मना किया.

अंत में, ऐनी सुलिवन छह-तीस ट्रेन से अलबामा पहुंची. मिसेज़ केलर ने नरम आवाज़ में उनका अभिवादन किया. उनकी नीली आँखें चमक रही थीं.



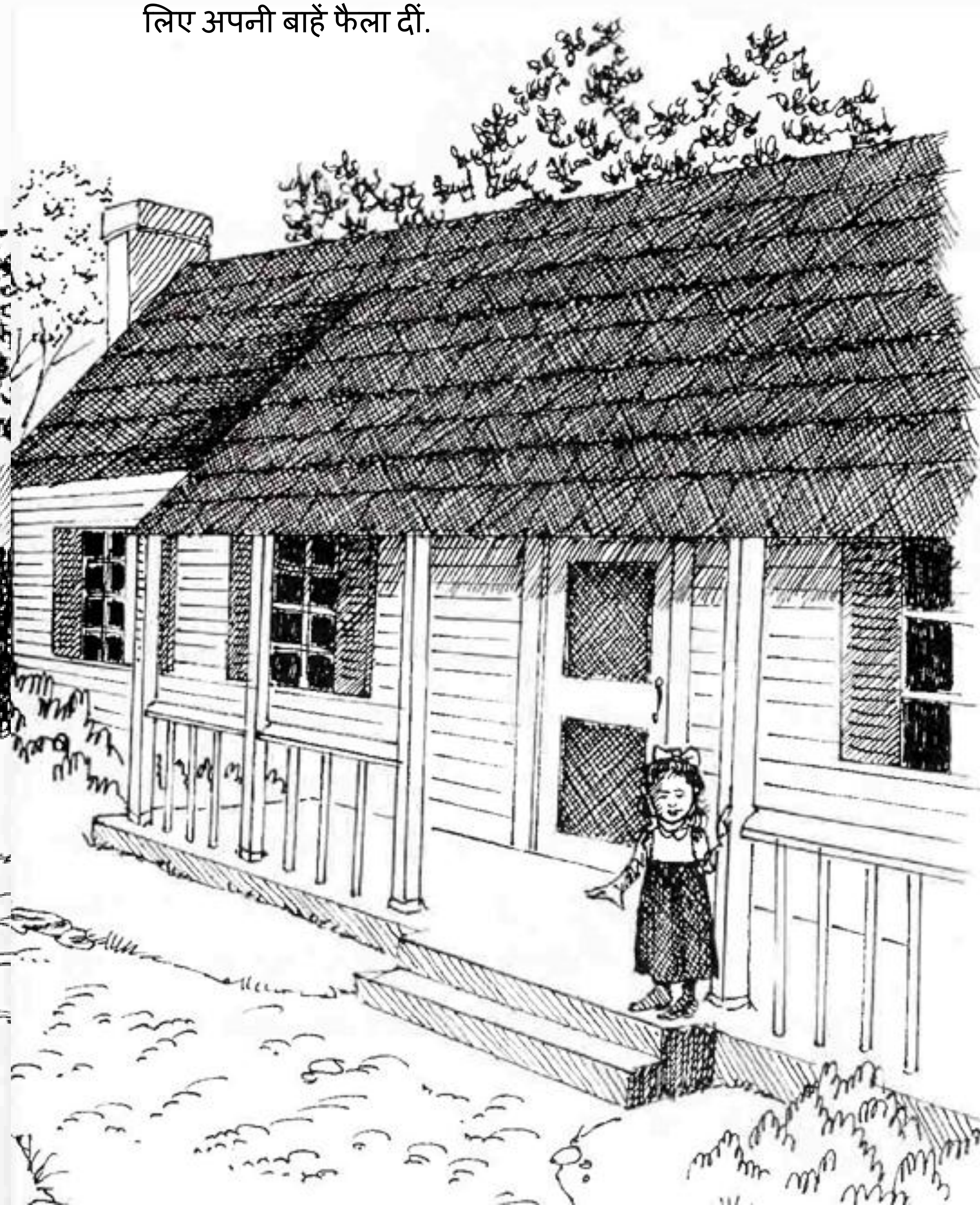
"युवा अमरीकी लड़की जो कप्तान केलर की बेटी को पढ़ाने जा रही थी," को देखने के लिए एक छोटी सी भीड़ जमा हो गई थी. एक नई जगह में, ऐनी ने खुद को चिंतित और अकेला पाया. वो थकी हुई लग रही थी.

ऐनी, केलर परिवार की गाड़ी के पिछले हिस्से में बैठ गई. वो फार्म तक के रास्ते को ध्यान से देखती रही. टस्कुम्बिया एक छोटा शहर था. वो न्यू इंग्लैंड के कस्बों जैसा ही दिखता था. उससे ऐनी को कुछ सुकून और आराम मिला.



ऐनी अपने नए छात्र से मिलने को उत्सुक थी.

हेलेन बरामदे में खड़ी थी. उसने गाड़ी की कंपन को महसूस किया और फिर नीचे आई. उसने अपनी माँ को गले लगाने के लिए अपनी बाहें फैला दीं.





इसके बजाए, एक अजनबी ने उसे गले लगाया. हेलेन को अजनबी पसंद नहीं थे. हेलेन ने ऐनी को उसे चूमने नहीं दिया.

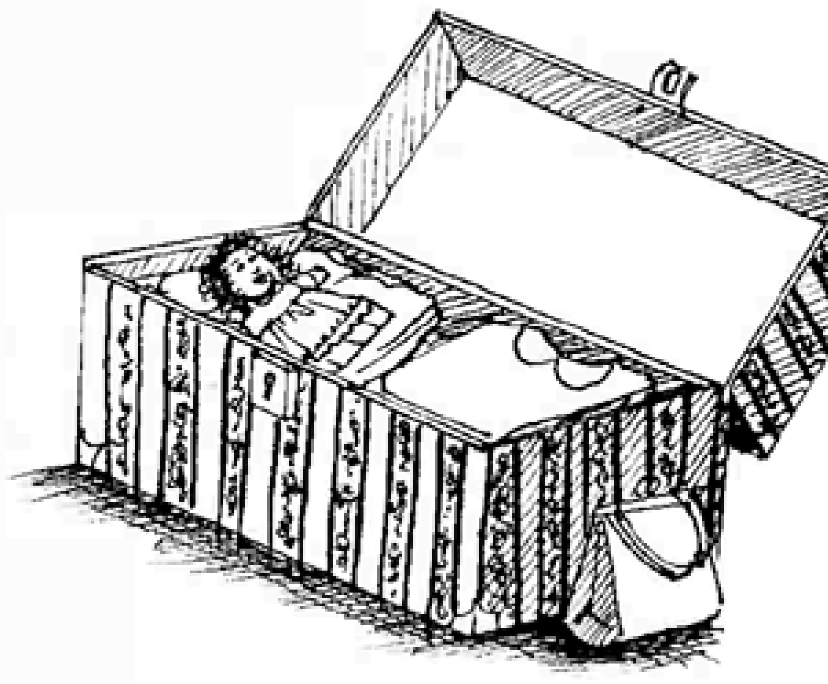
लेकिन हेलेन अजनबियों को लेकर उत्सुक भी थी. हेलेन ने ऐनी के चेहरे, पोशाक और बैग को छूकर महसूस किया. फिर हेलेन ने ऐनी का बैग खोला. उसे उम्मीद थी कि शायद ऐनी के बैग में उसके लिए कोई उपहार हो. माँ ने हेलेन को रोकने की कोशिश की. अंत में, मिसेज़ केलर को हेलेन के हाथों से बैग को छीनना पड़ा.

हेलेन बहुत गुस्सा हुई. उसका चेहरा लाल पड़ गया. उसने अपनी माँ की स्कर्ट पकड़ ली और लात मारने लगी. किसी ने कुछ नहीं किया. तब ऐनी ने अपनी छोटी घड़ी हेलेन के कान पर टिकाई. उस गुदगुदी को महसूस करके हेलेन शांत हुई. हेलेन का गुस्सा ख़त्म हुआ.

हेलेन, ऐनी के ऊपर वाले कमरे में गई. हेलेन ने ऐनी को टोपी उतारने में मदद की. फिर हेलेन ने ऐनी की टोपी पहनी और अपना सिर बाएं-दाएं घुमाया. ऐनी ने हेलेन को देखा और सोचा कि उस खूबसूरत युवा शैतान लड़की को वो कैसे पढ़ाएगी? उसे यकीन नहीं था कि वो वैसा कर पाएगी. ऐनी ने एक गहरी साँस ली. वो कल से अपनी कोशिश शुरू करेगी.

अगली सुबह हेलेन को ऐनी के कमरे में लाया गया. हेलेन ने ऐनी का सामान अनपैक करने में उसकी मदद की. हेलेन को ऐनी के संदूक में एक प्यारी सी गुड़िया मिली.

वो गुड़िया, पर्किन्स स्कूल के बच्चों की ओर से, हेलेन के लिए एक उपहार थी. वहां की पूर्व बहरी और नेत्रहीन छात्रा लौरा ब्रिजमैन ने, गुड़िया के कुछ कपड़े बनाए थे. ऐनी ने धीरे-धीरे हेलेन के हाथ में गुड़िया शब्द लिखा. हेलेन को लगा कि अब गुड़िया उसकी थी. हेलेन जब कभी कुछ चाहती तो वो पहले उस चीज़ की ओर इशारा करती फिर अपनी ओर, और फिर वो अपना सिर हिलाती थी.





लेकिन ऐनी के पास यह जानने का कोई तरीका नहीं था. वह हेलेन को दिखाने की कोशिश कर रही थी कि d - o - l - l का मतलब गुड़िया होता है - और शब्द किसी चीज़ को दर्शाता है. ऐनी ने गुड़िया वापस ले ली. वो हेलेन की हथेली में गुड़िया की स्पेलिंग दोहराने जा रही थी. लेकिन हेलेन उग्र और गुस्सा हो गई. उसने सोचा कि ऐनी उससे गुड़िया को वापस छीन रही थी.

ऐनी ने हेलेन का हाथ पकड़ने की कोशिश की. लेकिन हेलेन ने उसे अपना हाथ पकड़ने नहीं दिया. हेलेन ने एक और भयंकर गुस्सा शुरू किया. ऐनी ने हेलेन को एक कुर्सी पर बिठाने की कोशिश की. वह हेलेन को शांत कराना चाहती थी. वो एक सबक शुरू करना चाहती थी. पर उससे कुछ फायदा नहीं हुआ. हेलेन को बहुत गुस्सा आया और उसने कड़ा संघर्ष किया. अंत में ऐनी ने हेलेन को जाने दिया.

लेकिन ऐनी ने हार नहीं मानी. वह नीचे भागी और एक केक का टुकड़ा लेकर आई. वो उसे हेलेन के पास ले गई



ऐनी ने हेलेन की नाक के नीचे केक पकड़ा और उसकी हथेली पर c - a - k - e लिखा. हेलेन ने केक लेने की कोशिश की. ऐनी ने फिर से केक शब्द का उच्चारण किया और हेलेन के हाथ को थपथपाया. इस बार हेलेन ने शब्द को वापस लिखा. फिर ऐनी ने हेलेन को केक खाने के लिए दिया. क्या हेलेन को यह समझ में आया कि c - a - k - e का मतलब केक था? शायद नहीं. शायद हेलेन, ऐनी की सिर्फ नकल कर रही थी. हेलेन को नहीं पता था कि अगर वो ऐनी के पास जाकर उसकी हथेली में c - a - k - e लिखे, तो ऐनी को इस बात एहसास होगा कि हेलेन को केक चाहिए.

एक बार फिर, ऐनी ने हेलेन की हथेली में गुड़िया शब्द लिखा. हेलेन ने वापस d - o - l - l लिखा. ऐनी ने आखिर का अक्षर "l" लिखा और हेलेन को गुड़िया दी. फिर हेलेन गुड़िया लेकर नीचे भाग गई.



हेलेन ने बाद में लिखा, "मुझे यह तक पता नहीं था कि मैं जिस शब्द की वर्तनी (स्पेलिंग) लिख रही थी वो शब्द कहीं मौजूद भी था."

"मैं सिर्फ अपनी उंगलियों से एक बंदर की तरह नकल कर रही थी."

हेलेन ने उस दिन ऐनी के साथ कुछ और काम करने से इनकार कर दिया. ऐनी ने एक आह भरी. टीचर और छात्र के सामने एक लंबी, कठिन सड़क पड़ी थी.

अगले कुछ दिन आसान नहीं रहे. हेलेन, ऐनी से दूर ही रही. क्या ऐनी उस दीवार को तोड़ पाएगी जिसने हेलेन को एक खामोश दुनिया में कैद रखा था? ऐनी को खुद पर यकीन नहीं हो रहा था.

एक दिन नाश्ते के समय एक और लड़ाई शुरू हुई. हेलेन हमेशा बाकी सबकी प्लेट्स में से खाती थी. वो मेज के चारों ओर चक्कर लगाते हुए सबकी प्लेट्स में से कुछ-कुछ लेकर खाती थी. परिवार में किसी ने उसे कभी रोकने की कोशिश नहीं की और न ही किसी ने कभी उससे कुछ कहा. वो देख ऐनी चौंकी. हेलेन अपनी प्लेट में से खाने वाली नहीं थी!

जब ऐनी ने अपनी प्लेट उससे दूर हटाई तो हेलेन गुस्से में आ गई. लात मारते और चिल्लाते हुए वो फर्श पर गिर गई. ऐनी ने अपना खाना जारी रखा. तब ऐनी ने केलर परिवार से कमरा छोड़ने को कहा. परेशान और भ्रमित, केलर परिवार ने हेलेन को ऐनी के साथ छोड़ दिया, जिन्होंने दरवाजा बंद कर दिया.

युद्ध ज़ारी रहा.

ऐनी अपना नाश्ता खत्म करने के लिए लौटी. हेलेन ने ऐनी की कुर्सी को गिराने की कोशिश की. वह विफल रही. हेलेन शांत होने लगी. फिर, वो उठी और उसने मेज के चारों ओर महसूस किया. उसने महसूस किया कि कमरे में केवल ऐनी थी. हेलेन उलझन में थी. उसने फिर से ऐनी की थाली से खाना चुराने की कोशिश की, लेकिन ऐनी ने उसे वो करने नहीं दिया. अंत में, हेलेन अपनी जगह पर बैठ गई.





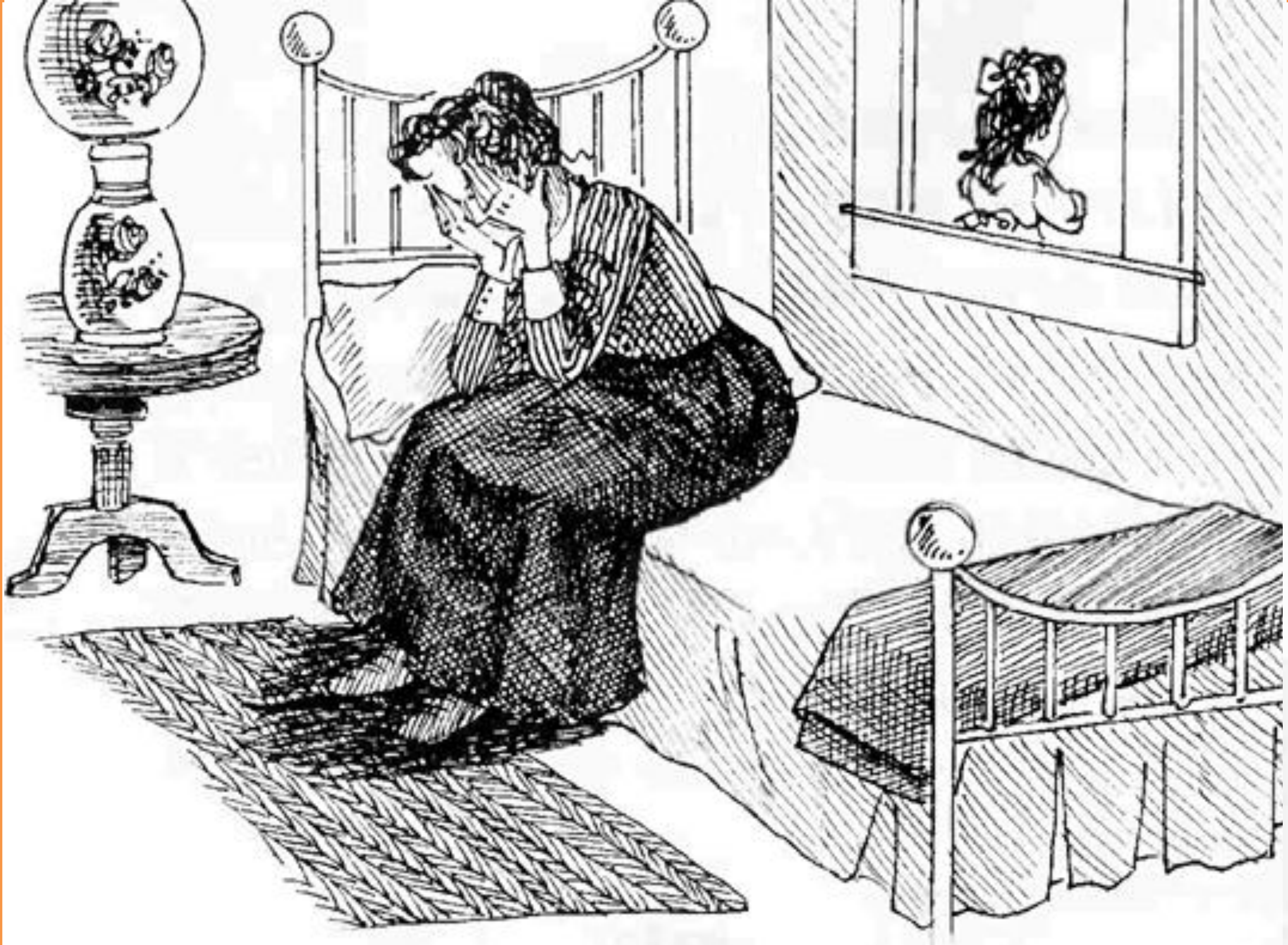
हेलेन ने अपना नाश्ता उंगलियों से खाना शुरू किया.

ऐनी ने हेलेन के हाथ में एक चम्मच दिया. हेलेन ने उसे फर्श पर फेंक दिया. ऐनी ने हेलेन को उठाया. तब ऐनी ने हेलेन के हाथ में दुबारा चम्मच पकड़ाया और उससे खाना खाने को कहा. यह महसूस करते हुए कि ऐनी हार नहीं मानेगी, हेलेन ने चम्मच से अपना नाश्ता समाप्त किया.



अगली बारी नैपकिन की आई. ऐनी चाहती थी कि हेलेन नैपकिन को मोड़ कर रखे. पर हेलेन ने नैपकिन को फर्श पर फेंक दिया. फिर वो दरवाजे की ओर भागी. दरवाज़ा बंद पाकर, हेलेन ने फिर से लात मारना और चिल्लाना शुरू कर दिया. ऐनी ने अगले घंटे हेलेन को अपना नैपकिन मोड़ना सिखाया. जब नैपकिन मुड़ गया, तभी ऐनी ने हेलेन को बाहर जाने दिया. हेलेन, ऐनी से बहुत दूर बाहर भाग गई. थक-हार कर ऐनी अपने कमरे में चली गई.



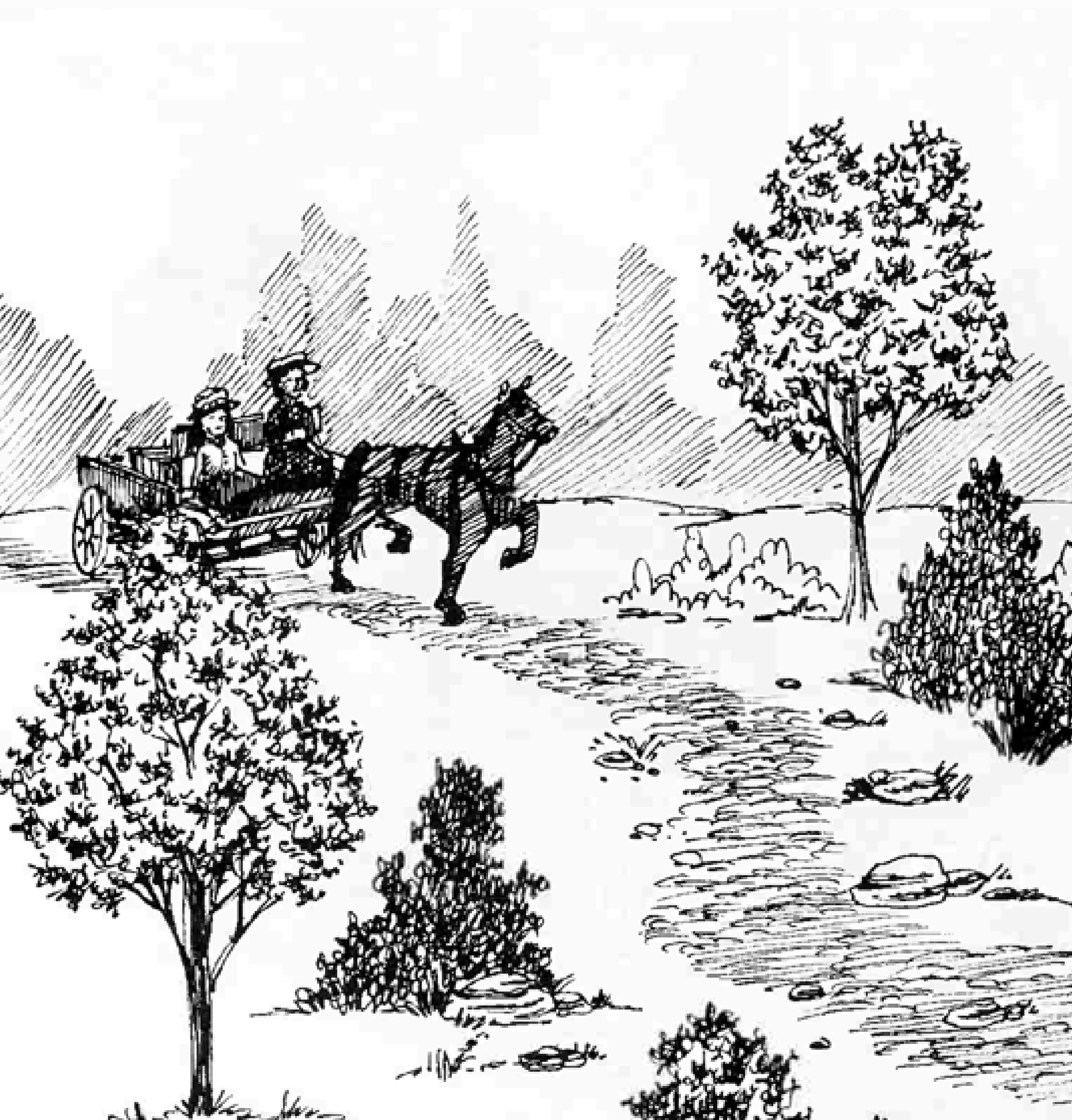


काफी देर रोने के बाद ऐनी को अच्छा लगा. ऐनी ने इन लड़ाइयों के बारे में कहा, "हेलेन से सबसे सरल काम करवाना जैसे कि उसके बालों में कंघी करना या हाथ धोना ... सबके लिए बल का प्रयोग करना आवश्यक था, जो निश्चित रूप से अच्छा नहीं था." परिवार के लिए वे दृश्य बर्दाश्त से बाहर की बात थी. उन्होंने हेलेन की मदद करने की कोशिश की. पिता हेलेन को रोते हुए नहीं देख सकते थे. परिवार की मदद के कारण ऐनी, हेलेन को सही ढंग से नहीं सिखा पाई. फिर ऐनी एक निर्णय पर पहुंची.

ऐनी ने महसूस किया कि उसे हेलेन के साथ अकेले रहना होगा. उन दोनों को एक-साथ अकेले रहना होगा. वही एकमात्र तरीका था जिससे ऐनी, हेलेन की अंधेरी, खामोश दीवार को तोड़ सकती थी. ऐनी ने केलर परिवार से उस बारे में बात की. ऐनी ने सोचा कि वे उसके लिए राज़ी नहीं होंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया. हेलेन की मदद के लिए केलर परिवार कुछ भी करने को तैयार था. इसलिए हेलेन और ऐनी बड़े घर के पास वाले छोटे घर में रहने चले गए.



ऐनी नहीं चाहती थी कि हेलेन को पता चले कि उनका नया घर उसके माता-पिता के घर के एकदम पास था. इसलिए ऐनी ने छोटे घर का सारा फर्नीचर इधर-उधर करवा दिया. फिर ऐनी और हेलेन अपने नए घर, गाड़ी में एक लंबी सवारी के बाद ही पहुंचे. ऐनी की चाल ने अच्छा काम किया. हेलेन को लगा कि वो वाकई एक नए, अजीब घर में थी.



नए घर में हेलेन और ऐनी की कई लड़ाइयाँ हुईं. ऐनी, हेलेन को तब तक खाने नहीं देती थी जब तक हेलेन कपड़े पहन कर तैयार नहीं होती थी. और हेलेन कपड़े पहनने से बिलकुल इनकार करती थी.





कैप्टन केलर ने एक दिन खिड़की से झांक कर देखा. वह ऐनी को विदा करना चाहते थे, लेकिन घरवालों ने उनसे मना किया. उन्होंने ऐसा करके अच्छा ही किया.

अगले दो हफ्तों में, हेलेन धीरे-धीरे बदलने लगी. वह ऐनी की बात मानने लगी.

फिर 5 अप्रैल, 1887 को एक चमत्कार हुआ. हेलेन बर्तन धो रही थी. ऐनी ने उसकी हथेली पर पानी शब्द लिखा. हेलेन ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी. फिर दोनों बाहर पानी के पम्प पर गए. हेलेन ने अपना मग नल के नीचे रखा. ऐनी ने पम्प से ठंडा पानी बाहर निकाला और उसे हेलेन के हाथ पर गिरने दिया. हेलेन ने मग गिरा दिया. उसका चेहरा आश्चर्य के भाव से भर गया. हेलेन ने कई बार ऐनी से पानी की स्पेलिंग (वर्तनी) वापस लिखने को कहा. अब, पहली बार हेलेन को समझ में आया शब्दों का अर्थ चीजों के लिए होता था!



बाद में हेलेन ने अपनी आत्मकथा में लिखा, "हर चीज़ का एक नाम था, और प्रत्येक नाम ने मेरे दिमाग में एक नए विचार को जन्म दिया."

ऐनी ने कई अलग-अलग शब्दों को हेलेन के उत्सुक हाथों में लिखा. अंत में, हेलेन ने पूछा कि वो ऐनी को क्या बुलाए?



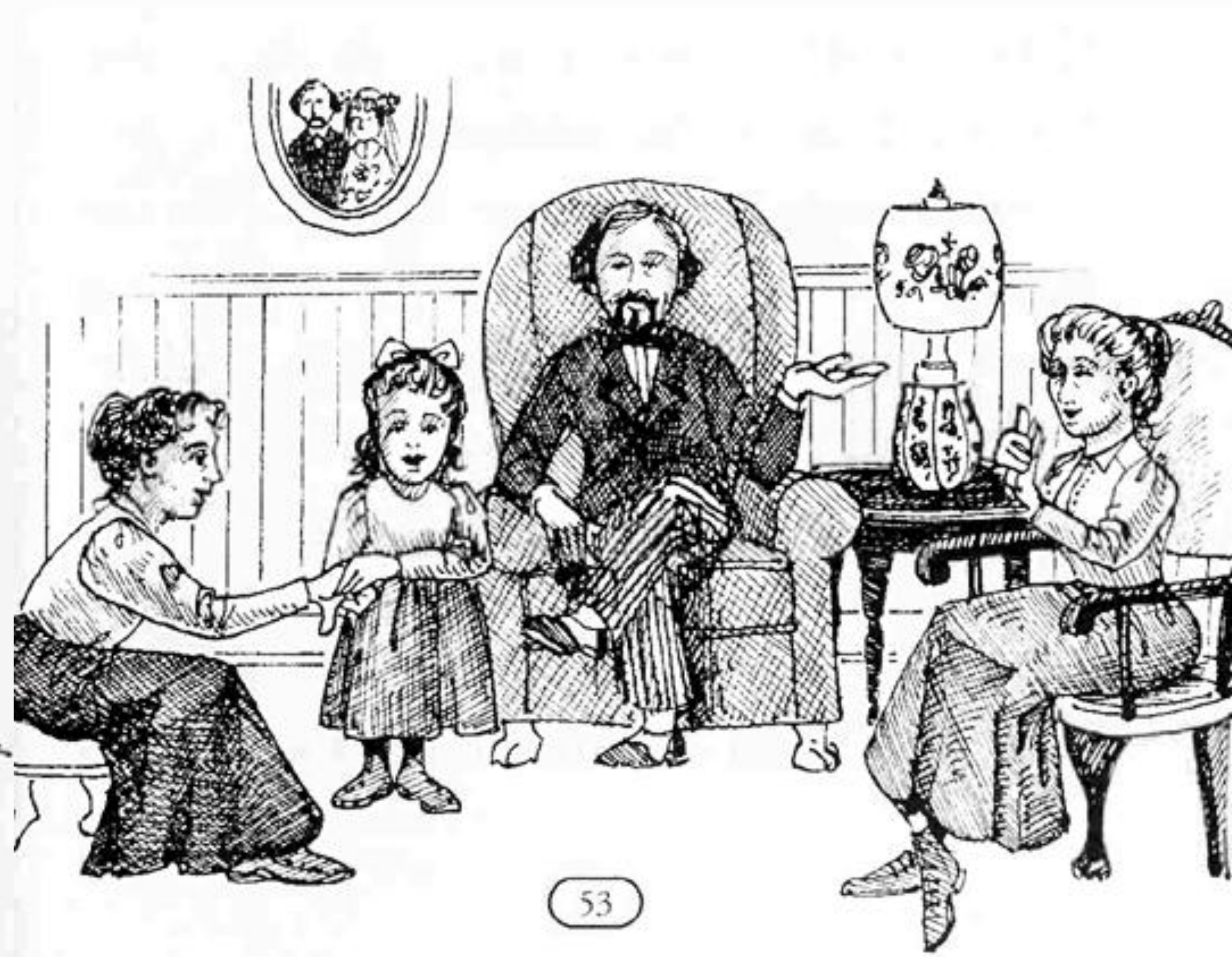
ऐनी ने हेलेन की हथेली पर t - e - a - c - h - e - r टीचर लिखा और फिर ऐनी टीचर बन गई. सात साल की उम्र में हेलेन की बंद दुनिया अब खुलने लगी थी. अब दीवार ढह चुकी थी. फिर ऐनी और हेलेन मुख्य घर में वापस चले गए.

हेलेन ने तेजी से प्रगति की. ऐनी ने देखा कि हेलेन को बाहर रहना पसंद था. इसलिए वे अधिकांश पढ़ाई बाहर ही करते थे. ऐनी ने हेलेन को सिखाने के लिए अपने आसपास की दुनिया का इस्तेमाल किया. हेलेन ने नदी के किनारे भूगोल सीखा. उन्होंने छोटी-छोटी नहरें खोदीं और पहाड़ बनाए.



विज्ञान के लिए उन्होंने प्रकृति का अध्ययन किया. हेलेन जल्द ही कई अलग-अलग पौधों के नाम के साथ-साथ वे कैसे बढ़ते थे यह भी जान गई. हेलेन को शब्दों और भाषा से बहुत प्रेम हो गया.

हेलेन शब्दों को आसानी से याद कर लेती थी. उसने संज्ञाएं, क्रियाएं और वर्णनात्मक शब्द सीखे. वो अब "सोचने" जैसे अमूर्त शब्दों को भी समझने लगी थी. हेलेन अब अपने परिवार से "बात" कर सकती थी. लोग जो कुछ कहते थे उन शब्दों को ऐनी, हेलेन के हाथ में लिख देती थी. फिर हेलेन उनका जवाब देती थी. मिसेज़ केलर ने अपनी "उंगलियों" से बोलना सीखा. अब वो और हेलेन आपस में बातें कर सकती थीं. कैप्टन ने भी इसी तरह बोलना सीखा.



जून तक हेलेन चार सौ शब्द सीख गई थी. ऐनी ने मिस्टर एनाग्नोस को लिखा और उन्हें हेलेन की प्रगति से अवगत कराया. मिस्टर एनाग्नोस ने बोस्टन के अखबारों को हेलेन के बारे में बताया. अखबारों ने हेलेन के बारे में कई कहानियां छापीं. पाठक इस बहरी-नेत्रहीन, सुंदर और होशियार बच्ची के बारे में और जानना चाहते थे.

हेलेन की उम्र के ज्यादातर बच्चे, पढ़-लिख सकते थे. ऐनी ने फैसला किया कि हेलेन भी पढ़ना-लिखना सीखेगी. ऐनी ने हेलेन को किताबें पढ़ीं. उसने हेलेन के हाथ में पूरी कहानी लिखी. फिर हेलेन की दुनिया परियों की कहानियों, नायकों, खलनायकों, मिथकों और किंवदंतियों से भर गई.

ऐनी ने हेलेन को लिखना भी सिखाया. उसने एक लकड़ी के लेखन बोर्ड का इस्तेमाल किया जिस पर खांचे थे. उसने खांचों के ऊपर एक कागज रखा. हेलेन ने फिर अपनी पेंसिल से अक्षर बनाए. नेत्रहीन लोग इसी तरह लिखना सीखते थे.

हेलेन ने बहुत प्रगति की. उसने ब्रेल लिपि भी सीखी. ब्रेल नेत्रहीनों के लिए लेखन की एक प्रणाली है. जल्द ही हेलेन, ब्रेल की किताबें खुद पढ़ने लगी. और उससे हेलेन के लिए एक और नई दुनिया खुल गई.

हेलेन का जीवन अब बहुत अधिक सुखी था. लेकिन फिर भी वो गुस्सैल थी. जब वो अपना आपा खोती, उस समय हेलेन खुद को "फैंटम" बुलाती थी. लेकिन धीरे-धीरे उसका गुस्सा कम हो रहा था. हेलेन को अब अपनी छोटी बहन मिल्ड्रेड के साथ खेलना पसंद था. हेलेन का दिमाग अब सीखने के लिए मुक्त था और उसका दिल प्यार करने के लिए स्वतंत्र था.



ब्रेल

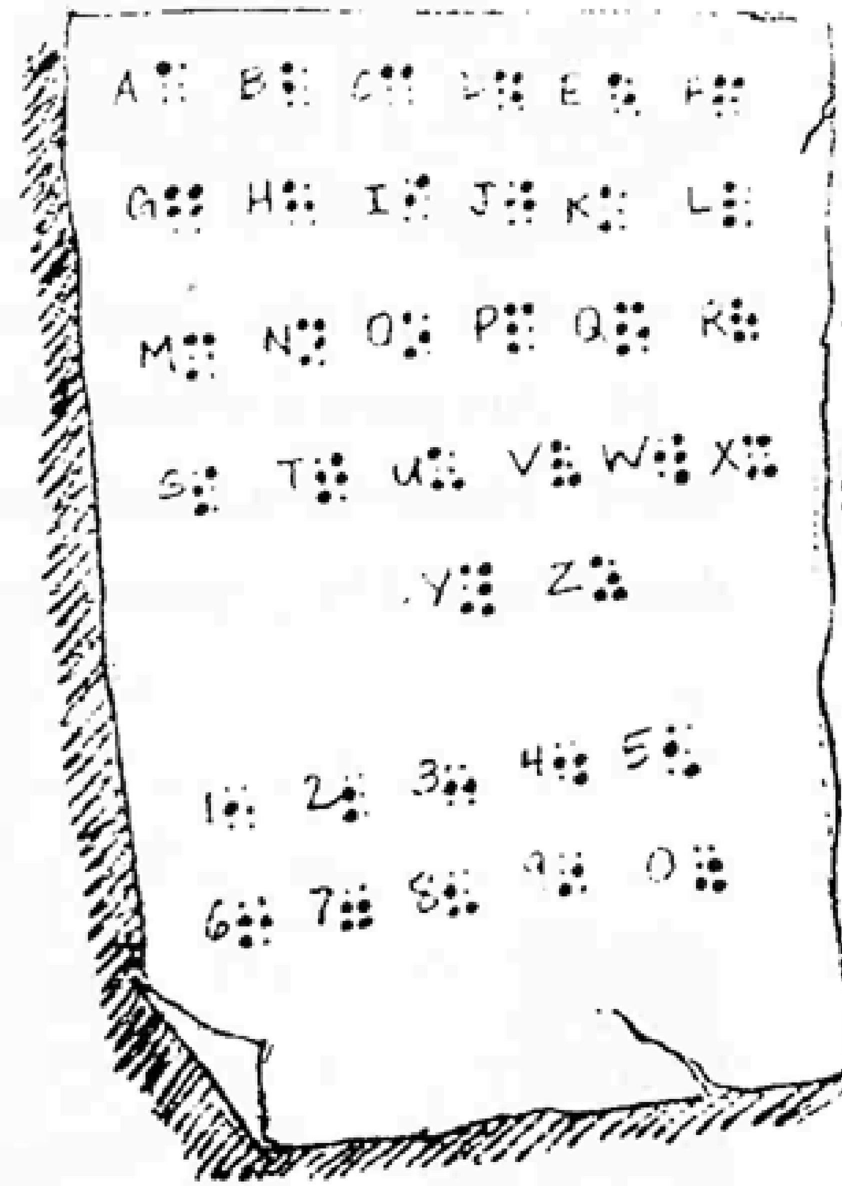
कई लोग दृष्टि की बजाए स्पर्श से पढ़ते हैं. वे अपनी उंगलियों को उन पृष्ठों पर चलाते हैं जिन पर उभरी हुई बिंदियां होती हैं. बिंदियों की अलग-अलग व्यवस्था अलग-अलग अक्षरों को दर्शाती है. लुई ब्रेल ने इस विशेष प्रकार के लेखन का आविष्कार किया था.



लुई ब्रेल

लुई ब्रेल का जन्म 1809 में फ्रांस में एक छोटे से शहर में हुआ था. वो चार साल की उम्र में ही अंधा हो गया था. अधिकांश नेत्रहीन लोग तब पढ़ या लिख नहीं सकते थे. बहुतों को जीवन-यापन करने के लिए भीख माँगनी पड़ती थी. लेकिन लुई भाग्यशाली था. वो नेत्रहीन लड़कों के एक स्कूल में पढ़ा. उसने उन अक्षरों को पढ़ना सीखा जिन्होंने तांबे के तार को कागज की शीट पर दबाकर एक उभरी हुई आकृति बनाई थी. लुई पढ़ सकता था, लेकिन वो अभी भी लिखना नहीं जानता था.

फिर एक दिन स्कूल में एक फौजी आया. उसने छात्रों को "रात्रि-लेखन" नामक एक प्रणाली दिखाई. युद्ध के दौरान, अंधेरे में सैनिक एक-दूसरे से, बिना संवाद के बात कर सकते थे. यह प्रणाली उभरी हुई बिंदियों की एक श्रृंखला पर आधारित थी.



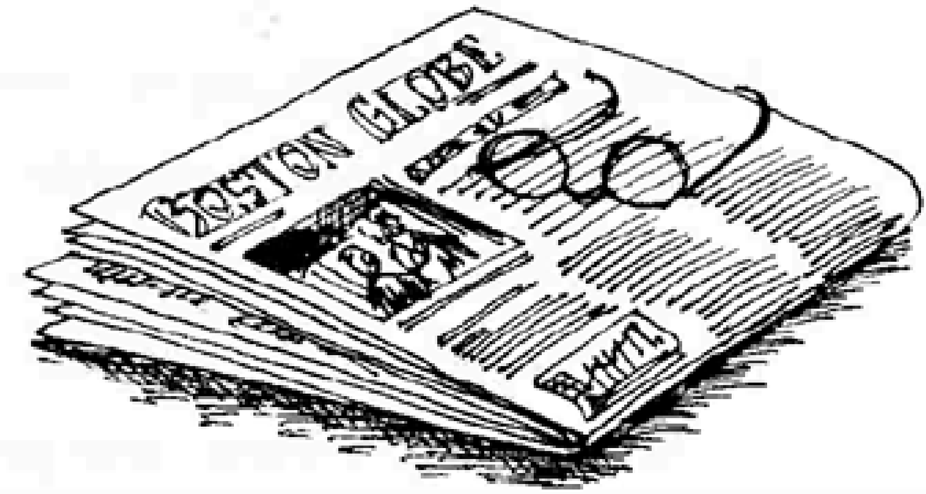
लुई इस नए प्रकार के लेखन से बहुत उत्साहित हुआ. उसे वो नेत्रहीनों के लिए बहुत उपयोगी लगी. उसने काफी प्रयोग किया और अंत में छह बिंदुओं का उपयोग करके एक प्रणाली स्थापित की.

नेत्रहीन लोग इसे पढ़ सकते थे. और वे इसे लिख भी सकते थे. उन्होंने डॉट्स (बिंदियां) बनाने के लिए स्टाइलस (सूजे की तरह एक नुकीले पेन) का इस्तेमाल किया.

आज, ब्रेल लगभग दुनिया की हर भाषा के लिए उपलब्ध है और पूरी दुनिया में उसका उपयोग किया जाता है.

मिस्टर एनाग्नोस ने ऐनी से हेलेन के बारे में एक निबंध लिखने को कहा. रात में जब ऐनी अपने डेस्क पर लिख रही होती तो हेलेन चुपचाप उसके पास बैठी हुई पर्किन्स में नेत्रहीन बच्चों के लिए एक पत्र लिखती. चार महीने पहले इस असीम शांति पर कोई भी विश्वास नहीं करता.

मिस्टर एनाग्नोस ने हेलेन और ऐनी की कहानियाँ बहुत से लोगों के साथ साझा कीं. बोस्टन के अखबारों ने उनके बारे में और खबरें छापीं. अखबारों ने हेलेन को "वंडर चाइल्ड" बुलाना शुरू कर दिया.





अब पाठक हेलेन और ऐनी से मिलना और उनके बारे में और जानना चाहते थे. कुछ लोगों को उन कहानियों की सच्चाई के बारे में संदेह था. खैर, अब धीरे-धीरे हेलेन प्रसिद्ध हो रही थी.

ऐनी और हेलेन ने अपनी बढ़ती प्रसिद्धि से अनजान होकर अपनी पढ़ाई जारी रखी. क्रिसमस आ रहा था. यह पहली बार था जब हेलेन को छुट्टी का मतलब समझ में आया था और उसने उसमें सक्रिय हिस्सा लिया. हेलेन और ऐनी ने क्रिसमस की कहानियाँ पढ़ीं. उन्होंने खुद अपनी क्रिसमस की कहानियां बनाईं. हेलेन छुट्टी के उत्साह और आनंद में डूब गई. उसने लोगों के लिए उपहार बनाए और फिर संकेत से बताया कि वे उपहार क्या थे. केलर परिवार इस क्रिसमस की छुट्टी के लिए बहुत आभारी थे. ऐनी भी बहुत खुश थी. अब उसके पास रहने को एक घर था.

नया साल, 1888, आशा से भरा हुआ था. हेलेन आठ साल की होने वाली थी. लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण बात यह थी कि हेलेन उस साल घर छोड़ने वाली थी. हेलेन, पर्किन्स स्कूल को देखना चाहती थी. और ऐनी उसे वहाँ लेकर जाने वाली थी. लेकिन उससे पहले, हेलेन को यात्रा की पूरी तैयारी करनी थी.

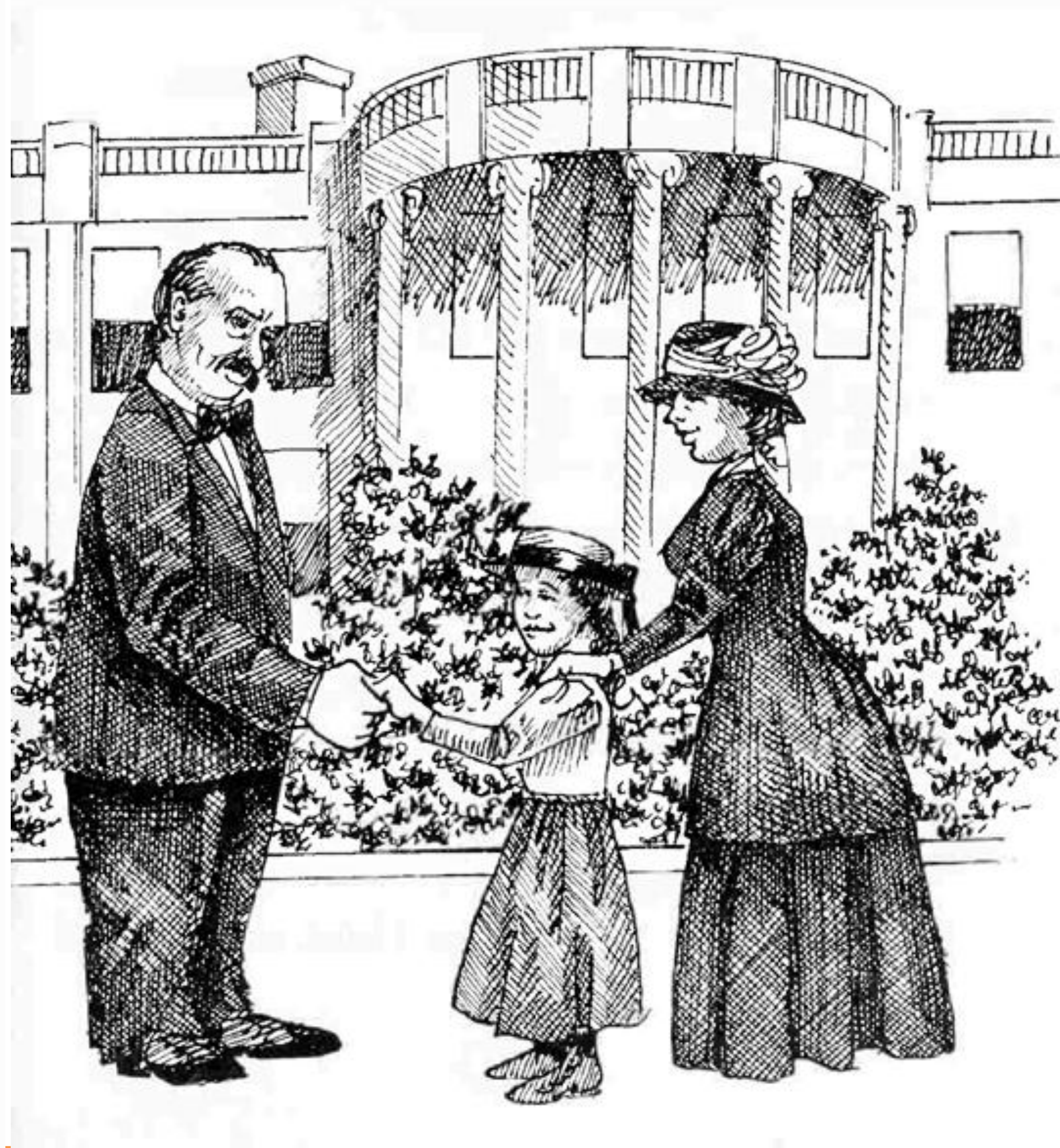
ऐनी और हेलेन ने अपनी पढ़ाई में और भी अधिक मेहनत की. मिसेज़ केलर चिंतित थीं कि हेलेन खुद को बहुत अधिक जोर देकर आगे धकेल रही थी. हेलेन अक्सर थक जाती थी. मिसेज़ केलर ने ऐनी से बात की, लेकिन ऐनी ने कहा कि वो हेलेन की गति को धीमा नहीं कर सकती थी. हेलेन कभी आराम नहीं करना चाहती थी. उसे अभी बहुत कुछ सीखना था..



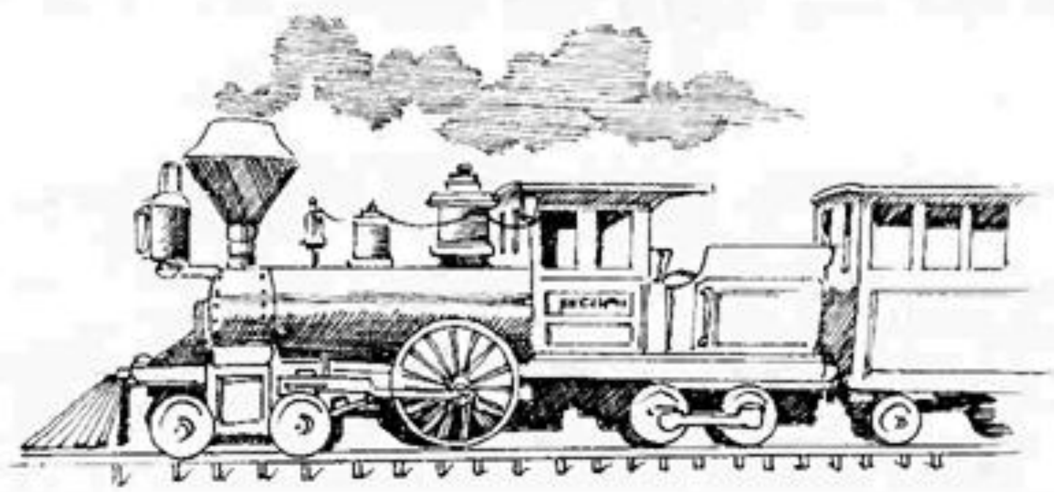
ग्रोवर क्लीवलैंड

मई 1888 तक हेलेन जाने को तैयार थी. लेकिन तभी एक आश्चर्यजनक बात हुई जिसने उनकी योजना को बदल दिया. हेलेन और ऐनी को व्हाइट हाउस में अमरीका के राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड से मिलने का निमंत्रण मिला! तमाम लोगों की तरह, राष्ट्रपति भी इस बात से चकित थे कि हेलेन कितना कुछ कर सकती थी

ज्यादातर लोगों का मानना था कि नेत्रहीन लोग हमेशा ही असहाय रहेंगे. बहुत लोग सोचते थे कि क्योंकि वे देख या सुन नहीं सकते थे इसलिए नेत्रहीन और बहरे लोग होशियार नहीं होते होंगे. हेलेन ने अमरीका के राष्ट्रपति के सामने साबित कर दिया कि वो मान्यता कितनी गलत थी.



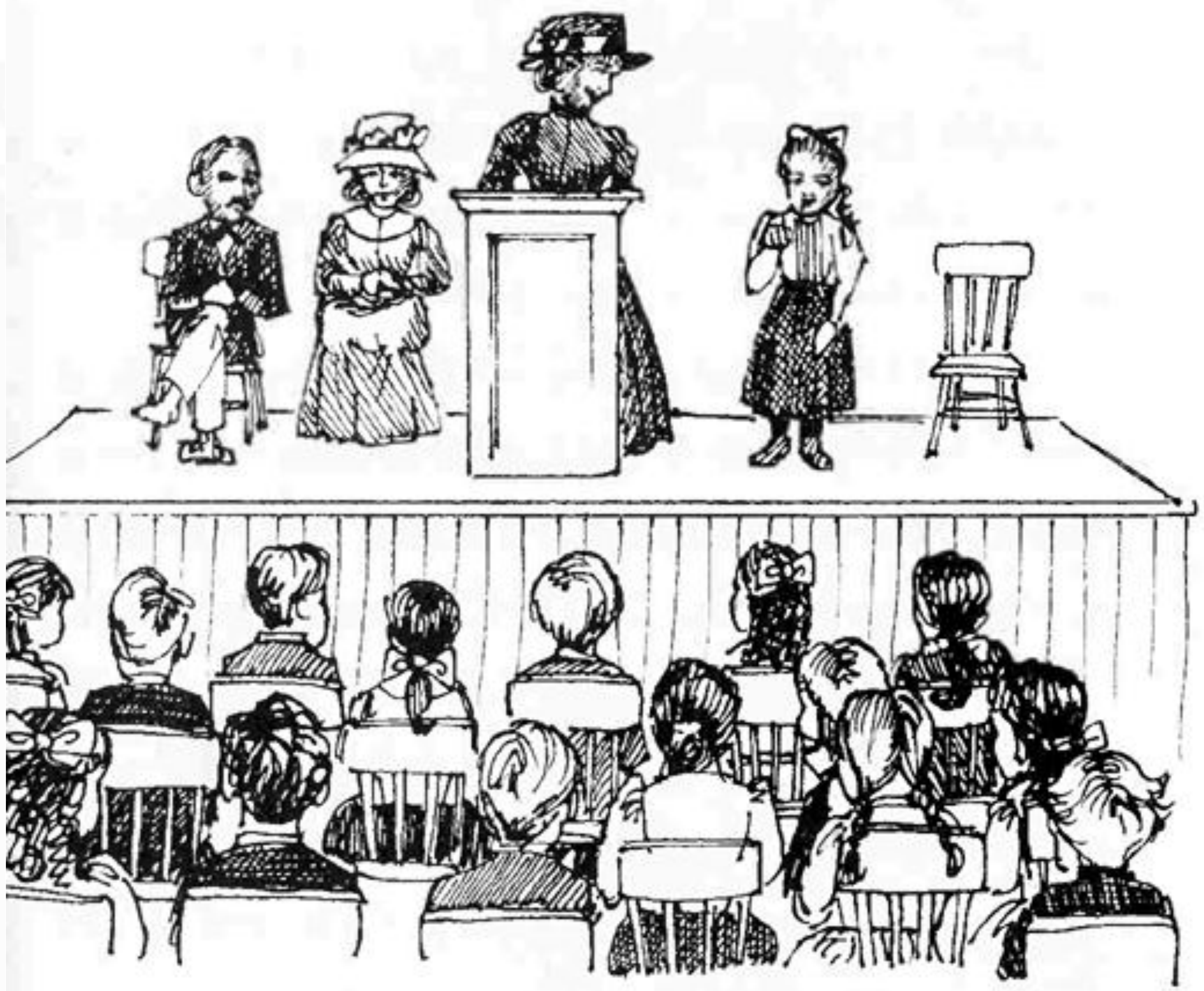
अध्याय 6
पर्किन्स में साल



वाशिंगटन, डी.सी. से ऐनी और हेलेन ट्रेन से बोस्टन के लिए रवाना हुए. पर्किन्स में, हेलेन अब अधेड़ उम्र की लौरा ब्रिजमैन से मिली. हालांकि बैठक निराशाजनक रही. लौरा को हेलेन बहुत चंचल और "टॉमबॉय" जैसी लगी. हेलेन सीधे जाकर फर्श पर बैठ गई जो लौरा को अच्छा नहीं लगा. जब हेलेन जाने लगी तो उसने चुंबन देकर लौरा से अलविदा कहा. गलती से हेलेन के पैरों से लौरा की उंगलियों दब गईं. लौरा दर्द से कराह उठीं. हेलेन ने खुद को एक अनाड़ी स्कूली छात्रा जैसे महसूस किया.

कुछ लोगों को लगा कि हेलेन बहुत जोर से और बहुत ज्यादा हंसती थी. लेकिन ऐनी ऐसा नहीं मानती थी. वो जानती थी कि हेलेन जीवन से भरपूर थी. ऐनी चाहती थी कि हेलेन जीवन को भरपूर जिए और चुपचाप चीजों के घटने का इंतजार न करे.

हेलेन ने पर्किन्स के शुरुआती सत्र में एक भाषण दिया. वो एक महत्वपूर्ण घटना थी. बोस्टन के अखबारों ने स्कूल और उसमें पढ़ने वाले बच्चों के बारे में कहानियाँ लिखीं.



इस आयोजन में कई महत्वपूर्ण और अमीर लोग भी आए. मैसाचुसेट्स के गवर्नर वहां मौजूद थे. उनके सम्मान में बैंड बजाया गया. दस लड़कों ने दिखाया कि वे कितनी अंकगणित में कितने प्रवीण थे. फिर हेलेन की बारी आई.

हेलेन मंच पर धैर्यपूर्वक बैठी अपनी बारी का इंतजार कर रही थी. प्रतीक्षा करते-करते वह मुस्कुराई और फिर उठी. वो भीड़ की ऊर्जा को महसूस कर सकती थी. गर्व से हेलेन ने ऐनी के हाथ में पक्षियों के बारे में एक कविता लिखी. ऐनी ने हेलेन की वर्तनी के अनुसार शब्द बोले. उन्हें सुनकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए.

जब स्कूल गर्मियों के लिए बंद हुआ, तो ऐनी और हेलेन केप कॉड गए. हेलेन पहली बार समुद्र में तैरने गई. उसे अपने चेहरे पर ठंडे खारे पानी का अहसास बहुत अच्छा लगा. केप कॉड, हेलेन की सबसे पसंदीदा जगह बन गई.





एक दिन, जब हेलेन तैर रही थी, तेज लहरों ने उसे पानी के नीचे खींच लिया. संघर्ष करते हुए उसने खारे पानी को निगलते हुए संघर्ष किया. उसने सतह पर आने की कोशिश की. अंत में लहरों ने उसे रेत पर उछाल दिया. हेलेन वहां दहशत में पड़ी थी, पता नहीं उसे क्या हुआ था. ऐनी दौड़कर उसके पास गई और गले लगाकर उसे सांत्वना दी.



लेकिन हेलेन हिम्मत वाली थी. दो दिन बाद, वो समुद्र में दुबारा तैर रही थी. हेलेन के ज़हन में केवल एक ही सवाल था. वो जानना चाहती थी कि समुद्र को नमक से किसने भरा था!

ऐनी और हेलेन जब अलबामा घर वापिस पहुंचे तो उनके दिन फिर से सीखने से भर गए.



जैसे-जैसे समय बीतता गया, ऐनी ने अलबामा छोड़ने के बारे में सोचा. जब वे दोनों शहर में एक साथ जाते तो स्थानीय लोग ऐनी और हेलेन को घूरते थे. ऐनी मानती थी कि हेलेन अब शहर में रहकर ही ज़्यादा सीख सकती थी.

ऐनी ने केलर परिवार से उन दोनों को पर्किन्स में जाने और रहने के लिए कहा. अनिच्छा से, परिवार सहमत हो गया. उन्हें पता था कि हेलेन के लिए वही सबसे अच्छा होगा.

अक्टूबर में, ऐनी और हेलेन पर्किन्स लौट आए. हेलेन का वहां नामांकन नहीं हुआ था. वह एक अतिथि थी. लेकिन वो सीधे स्कूल के काम में लग गई. उसने भूगोल, वनस्पति विज्ञान (पौधों का अध्ययन), प्राणीशास्त्र (जानवरों का अध्ययन) और अंकगणित का अध्ययन किया. अंकगणित उसका सबसे पसंदीदा विषय था.

पर्किन्स में हेलेन्स का समय अच्छा बीता. कविता उसका जुनून बन गई. एक बार हेलेन ने न्यू इंग्लैंड के महान लेखक ओलिवर वेंडेल होम्स से मुलाकात की. बाद में, हेलेन ने होम्स की कविताओं को पर्किन्स में नेत्रहीन बच्चों को पढ़कर सुनाया. हेलेन ने होम्स को एक पत्र भेजा. उसने खेद प्रगट किया कि होम्स के पास खेलने के लिए कोई छोटे बच्चे नहीं थे, लेकिन शायद वो अपनी तमाम किताबों के बीच खुश होंगे.

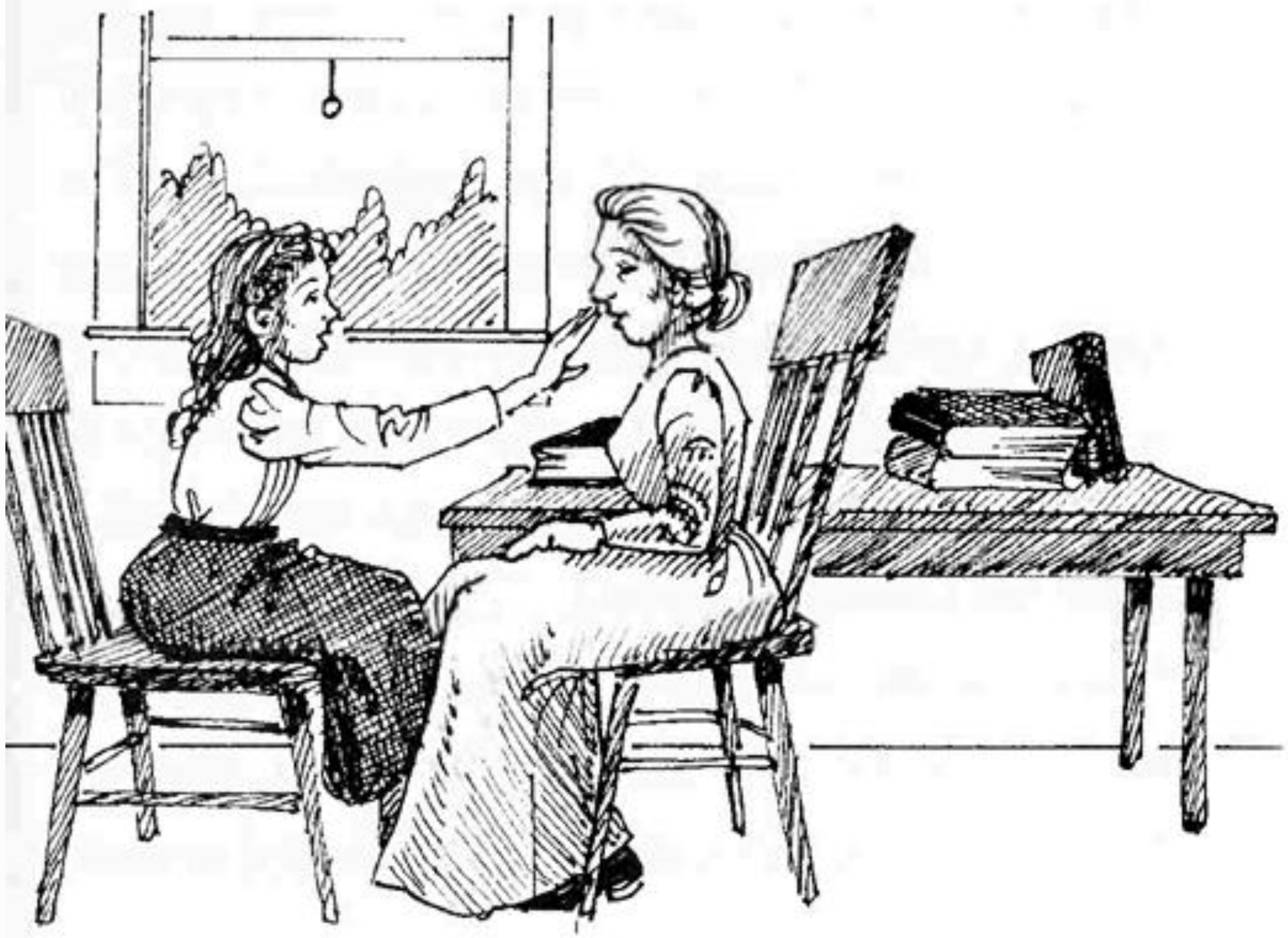


बोलना सीखना हेलेन का सपना बन गया. ऐनी ने हेलेन के साथ यथार्थवादी बनने को कहा, क्योंकि वो नहीं चाहती थी कि अंत में हेलेन निराश हो. यदि कोई व्यक्ति लोगों के चेहरों को नहीं देख सकता था, तो उसके लिए बोलना सीखना अत्यंत कठिन - लगभग असंभव होगा. लेकिन हेलेन ने हार नहीं मानी.

ऐनी, हेलेन के आड़े नहीं आई. उसे हेलेन के लिए एक सही टीचर मिली. हेलेन को अपने शिक्षक के ओंठ छूना पड़े क्योंकि वो बोलते समय हिलते थे.

हेलेन ने होम्स को बताया कि वो क्या-क्या सीख रही थी. उसने पूछा कि क्या उसकी छोटी बहन भी उनसे मिल सकती थी. होम्स को हेलेन का पत्र बहुत पसंद आया. उन्होंने उसे "द अटलांटिक मंथली" नामक एक महत्वपूर्ण पत्रिका में प्रकाशित किया. इस सम्मान के बाद हेलेन ने अपने लेखन को अधिक गंभीरता से लेना शुरू किया.

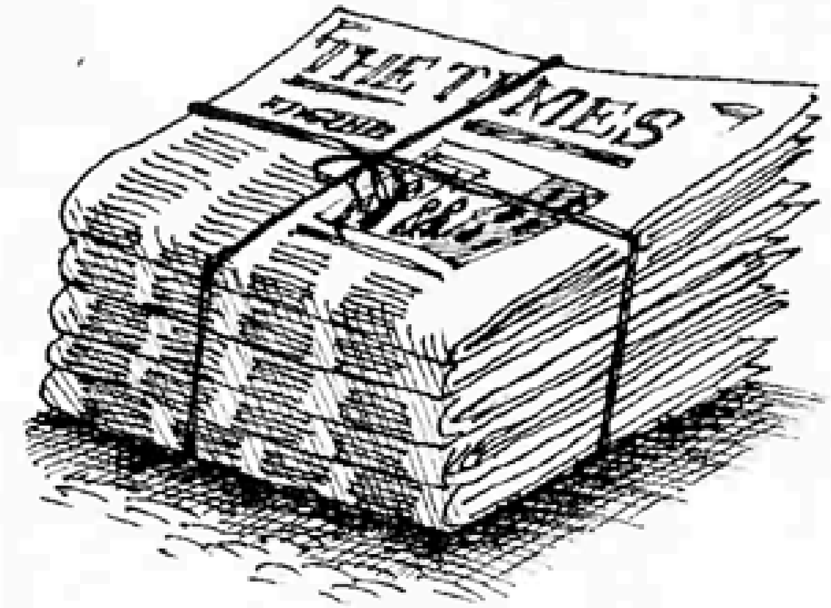
1890 के वसंत में, मैरी स्विफ्ट लैमसन नाम की एक शिक्षिका नॉर्वे से पर्किन्स लौट आई. नॉर्वे में रहते हुए, उन्होंने एक बहरी-नेत्रहीन लड़की के बारे में सुना था जिसने बोलना सीख लिया था. हेलेन को वो विचार बहुत ज़बरदस्त लगा.



हेलेन को यह सीखना था कि शब्द बोलने के लिए होंठ और जीभ कैसे हिलते थे. पहले पाठ के अंत में, हेलेन i, m, p, q, s, और t अक्षर बोल सकी. हेलेन अपने घर जाकर अपने परिवार के साथ बातें करने का सपना देख रही थी. हेलेन ने ऐनी के साथ लगातार अभ्यास किया. लेकिन हेलेन की आवाज कभी साफ नहीं हुई. यह कुछ ऐसा था जिसने हेलेन को जीवन भर परेशान किया. उसने महसूस किया कि स्पष्ट रूप से न बोल पाने के कारण वो अलग-थलग हो गई थी.

जब हेलेन ग्यारह साल की हुई तो उसने एक कहानी "द फ्रॉस्ट किंग" लिखी. उसने वो कहानी मिस्टर एनाग्नोस को उनके जन्मदिन पर भेंट की. छवियों और रंगों से भरी वो एक अत्यंत प्यारी कहानी थी. वो कहानी "द मेंटर", पर्किन्स पूर्व छात्र पत्रिका, जनवरी 1892 में प्रकाशित हुई. लोगों ने उस कहानी की अद्भुत प्रशंसा की.

हालांकि, वो कहानी हेलेन ने नहीं लिखी थी. एक अखबार ने हेलेन की कहानी को "द फ्रॉस्ट फेयरीज़" नामक किसी अन्य व्यक्ति की कहानी के साथ-साथ छापा. हेलेन की कहानी बिल्कुल वैसी ही थी. उससे हेलेन बहुत हतोत्साहित हुई. ऐनी ने कहा कि उसने हेलेन को वो कहानी कभी नहीं पढ़ी थी. किसी को भी हेलेन को वो कहानी पढ़ना, याद नहीं आया.



लेकिन उस किताब की एक कॉपी उस घर में थी, जहां ऐनी और हेलेन केप कॉड में ठहरे थे. शायद हेलेन ने कहानी सुनी हो और फिर वो उसे बिल्कुल भूल गई हो.

हेलेन उससे बहुत दुखी हुई. वो किसी को बरगलाने की कोशिश नहीं कर रही थी! वह अपना बचाव करने के लिए पर्किन्स स्कूल गई. वो आठ शिक्षकों और स्कूल अधिकारियों के एक समूह के सामने अकेली पेश हुई. आधा समूह नेत्रहीन था और आधा देखने में सक्षम था. ऐनी के बिना एक गर्म, लोगों भरे हुए कमरे में खुद को अकेली पाकर हेलेन डर से कांप उठी. उसे ऐसा लगा जैसे उसने किसी का कत्ल किया हो. बाद में, हेलेन ने लिखा, "मेरा दिल तेज़ी से धड़क रहा था और मैं बहुत मुश्किल से बोल पा रही थी...”



समूह ने हेलेन के प्रति कोई दया नहीं दिखाई. उन्होंने उससे बार-बार पूछा, "तुम्हें वह कहानी किसने पढ़ कर सुनाई?"

हेलेन उस सवाल का जवाब नहीं दे पाई. उसे उसकी कोई याद नहीं थी. अंत में, अधिकांश समूह ने हेलेन पर विश्वास किया. मिस्टर एनाग्नोस को वो एक भयानक गलती लगी. उन्हें लगा कि अब वो हेलेन या ऐनी पर भरोसा नहीं कर सकते थे. मिस्टर एनाग्नोस के साथ अब उनकी दोस्ती खत्म हो गई. पर्किन्स में हेलेन का समय भी समाप्त हो गया था. इससे भी बदतर, हेलेन ने फिर अपने लेखन पर कभी यकीन नहीं किया.

क्या वो अपने दिल और दिमाग से लिख रही थी या जो कुछ उसने सुना था उसे दोहरा रही थी? जब भी वो कलम उठाती यह डर उसे सताता था.

हेलेन और ऐनी अलबामा लौट आए. उस पूरी गर्मी में हेलेन बीमार रही. उसकी अब सीखने की भूख कम हो गई थी. लगता था हेलेन अब अपने ही आप में समा गई थी. लेकिन धीरे-धीरे उसके हौसले और मजबूत होते गए. अब उसे निर्णय लेना था. क्या उसकी शिक्षा समाप्त हो गई थी?
क्या उसे कोई दूसरा स्कूल मिल सकता है?



अध्याय 7
न्यूयॉर्क में बिताए साल

पर्किन्स स्कूल का दरवाजा बंद हो गया था, लेकिन हेलेन के लिए एक और दरवाजा खुला. ऐनी ने बधिर (बहरे) बच्चों के एक नए स्कूल के बारे में पढ़ा था. दो लोग - डॉ. थॉमस ह्यूमसन और जॉन राइट - ने 1894 में न्यूयॉर्क शहर में वो स्कूल शुरू किया. उसे हेलेन के लिए वो एकदम सही लगा.



न्यू यॉर्क शहर

लेकिन केलर उसकी फीस का भुगतान कैसे करेंगे? हेलेन के पिता आर्थिक तंगी से गुज़र रहे थे. घर में अधिक पैसे नहीं थे. सौभाग्य से, हेलेन कई अमीर लोगों से मिली थी, जैसे डॉ. बेल, जॉन डी. रॉकफेलर, और जॉन स्पाउल्डिंग. स्पाउल्डिंग ने हेलेन की स्कूली शिक्षा के लिए पैसे देने की पेशकश की. फिर ऐनी और हेलेन न्यू यॉर्क के लिए रवाना हुईं.

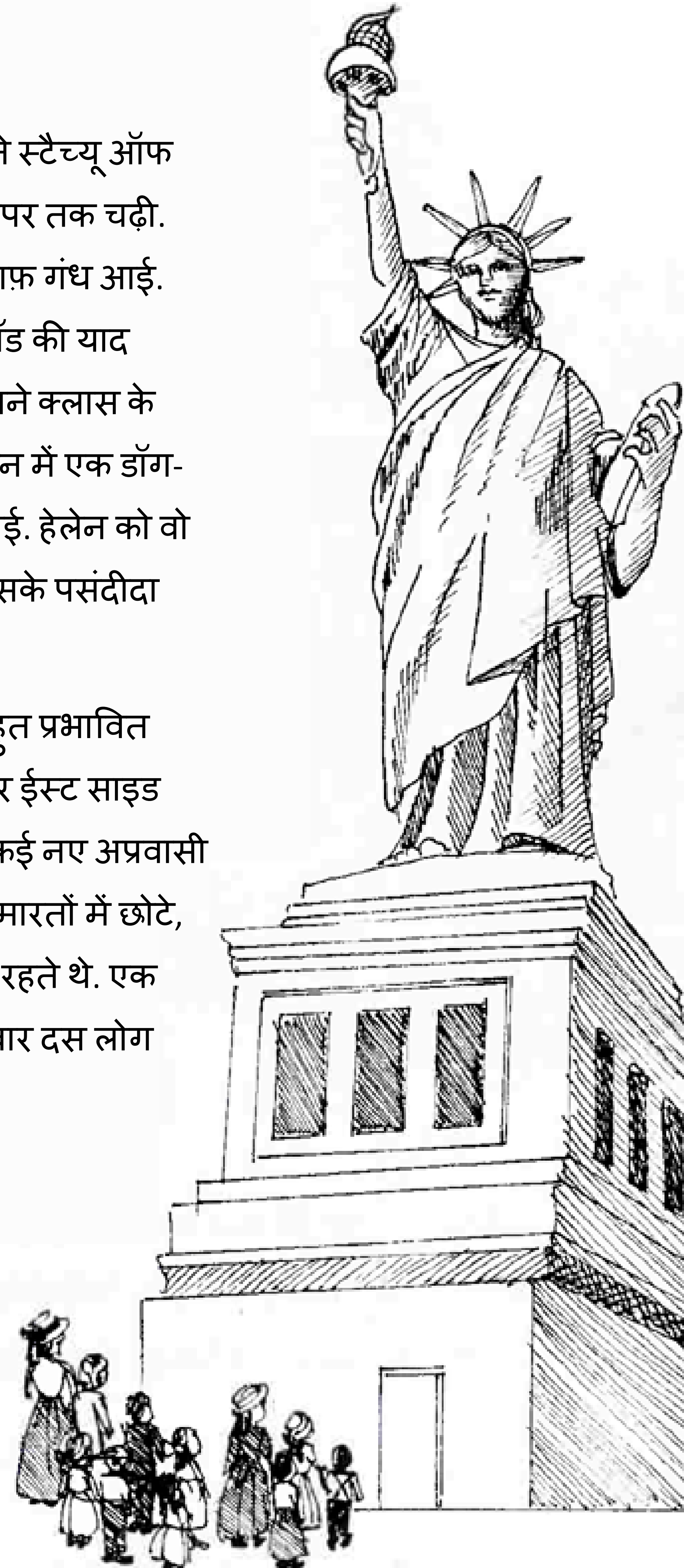


वे सेंट्रल पार्क के पास एक बढ़िया घर में जाकर रहीं. राइट-ह्यूमसन स्कूल में, हेलेन ने अंकगणित (अभी भी उसका सबसे कम पसंदीदा विषय), अंग्रेजी साहित्य (जिसे वो प्यार करती थी), अमेरिकी इतिहास, फ्रेंच और जर्मन का अध्ययन किया. उसने लिप-रीडिंग और भाषण का भी अध्ययन किया. धीरे-धीरे हेलेन की प्रसिद्धि फैल गई. न्यूयॉर्क टाइम्स का एक रिपोर्टर उनका इंटरव्यू लेने आया. उसने सोचा कि वो एक शांत, शर्मीली लड़की से मिलेगा. लेकिन पंद्रह वर्षीय हेलेन ने उसे चकित कर दिया. पूरे इंटरव्यू के दौरान, हेलेन ने उससे हँसी-मज़ाक किया.



हेलेन और उनकी कक्षा ने स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी का दौरा किया. वो ऊपर तक चढ़ी. हेलेन को ऊपर की हवा में साफ़ गंध आई. समुद्र की गंध ने उसे केप कॉड की याद दिलाई. दूसरी बार हेलेन अपने क्लास के साथ मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक डॉग-शो (कुत्तों की प्रदर्शनी) में गई. हेलेन को वो पसंद आया क्योंकि कुत्ते उसके पसंदीदा जानवर थे.

एक यात्रा ने हेलेन को बहुत प्रभावित किया. ऐनी और हेलेन लोअर ईस्ट साइड गए. यह वो स्थान था जहाँ कई नए अप्रवासी रहते थे. वे टेनमेंट नामक इमारतों में छोटे, भीड़-भाड़ वाले अपार्टमेंट में रहते थे. एक छोटे से अँधेरे कमरे में कई बार दस लोग रहते थे.







हेलेन, गरीबी देख नहीं सकती थी. लेकिन वो उसे महसूस ज़रूर कर सकती थी. गली में हेलेन और ऐनी को लोगों के कपड़े खुरदुरे और फटे हुए महसूस हुए.

हेलेन को वहां मशीन के तेल, बुरादे, सड़क की गंदगी और नमकीन मछली की गंध भी सूंघी. उसे पता चला कि गरीब लोगों की ज़िंदगी उसके जीवन से कितनी अलग थी.

न्यू यॉर्क में कई प्रसिद्ध लोग रहते थे. एक पार्टी में हेलेन की मुलाकात प्रसिद्ध लेखक मार्क ट्वेन से हुई. ट्वेन ने "द एडवेंचर्स ऑफ हकलबेरी फिन" और "टॉम सॉयर" लिखी थी.

ट्वेन ने हेलेन को होंठ पढ़ते हुए देखा. उन्होंने पार्टी में एक-साथ बात की. जब हेलेन जाने लगी, तो हेलेन ने मार्क ट्वेन के बटनहोल में वायलेट फूल लगाया. उससे वे दोनों आजीवन दोस्त बन गए.



स्कूल के बाद हेलेन को सेंट्रल पार्क जाना पसंद था. सर्दियों के दिनों में, हेलेन बोब-स्लेडिंग करती थी. उसने घुड़सवारी का भी प्रशिक्षण लिया. हेलेन बड़ी हो रही थी. वो एक सुंदर, दिलचस्प, जवान औरत बन रही थी.

सेंट्रल पार्क



अध्याय 8
कैम्ब्रिज के साल

1900 की शुरुआत में, कुछ महिलाएं कॉलेज गईं. पर किसी भी बहरी-नेत्रहीन महिला ने कभी भी कॉलेज पूरा नहीं किया था. लेकिन हेलेन कॉलेज की पढ़ाई के लिए दृढ़ थी. वो कहाँ जाना चाहती थी वो उसे अच्छी तरह पता था: रैडक्लिफ. यह बोस्टन के ठीक बाहर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का सिस्टर स्कूल था. रैडक्लिफ को अमेरिका में शीर्ष महिला कॉलेज माना जाता था. हेलेन के लिए वहां की छात्रा बनना एक अद्भुत उपलब्धि होगी.

हेलेन ने एक तरीका सूझा जिससे वह रैडक्लिफ में प्रवेश प्राप्त कर सकती थी. एक स्कूल था, कैम्ब्रिज स्कूल फॉर यंग लेडीज, जो युवा महिलाओं को रैडक्लिफ के लिए तैयार करता था.

ऐनी, कैम्ब्रिज स्कूल के प्रमुख आर्थर गिलमैन से मिलने गई. उसने हेलेन को एक छात्र के रूप में लेने के लिए उनसे याचना की. अनुरोध से आश्चर्यचकित होकर आर्थर गिलमैन ने कहा कि वो इस पर विचार करेंगे.

हेलेन और ऐनी के पास इंतजार करने के अलावा कोई चारा नहीं था. गिलमैन का उत्तर ही हेलेन का भविष्य निर्धारित करता.

इसी दौरान हेलेन के पिता की मृत्यु हो गई. हेलेन, कैप्टन के अंतिम संस्कार के लिए घर जाना चाहती थी, लेकिन माँ ने इसकी अनुमति नहीं दी. गर्मी का मौसम था जब दक्षिण में अनेकों संक्रामक रोग पनप रहे थे. मां, हेलेन की सेहत को जोखिम में नहीं डालना चाहती थीं. इसलिए हेलेन को मैसाचुसेट्स में ही रहना पड़ा और पिता के लिए शोक मनाना पड़ा.

फिर अंत में गिलमैन ने अपना जवाब दिया. हेलेन को स्वीकार कर लिया गया था! हेलेन को पहली बार स्कूल जाने में डर लगा. क्या होगा अगर वो अन्य लड़कियों की तरह नहीं कर पाई? क्या होगा अगर वो असफल रही?

हेलेन स्कूल के किसी अन्य छात्र की तरह लग रही थी. वो और ऐनी हॉवेल्स हाउस की एक डारमेट्री में रहे. हेलेन ने दोस्त बनाए. कुछ लड़कियों ने हस्त-चालित वर्णमाला सीखी ताकि वे हेलेन से बात कर सकें. वो उनके साथ खेलों में भी शामिल हुई और उसने उनके साथ लंबी सैर की. हेलेन ने अंग्रेजी, इतिहास, लैटिन और जर्मन का अध्ययन किया.

लेकिन बहुत काम पाठ्य पुस्तकें ही ब्रेल में थीं. ऐनी को हर पुस्तक हेलेन को पढ़ना होती थी. ऐनी उन शब्दों का अर्थ भी समझाती थी जिन्हें हेलेन नहीं जानती थी, भले ही वे शब्द जर्मन या फ्रेंच में हों.





हेलेन जहां भी गई, ऐनी भी उसके साथ गई. शायद हेलेन के लिए अब अपनी टीचर से अलग होने का समय आ गया था. हेलेन नहीं चाहती थी कि वो अपनी टीचर से अलग हो. हेलेन को लगता था कि वो अपनी टीचर के बिना खो जाएगी.

मिसेज़ केलर डगमगायीं. उन्हें समझ नहीं आ रहा थे कि वो क्या करे. अंत में, मिसेज़ केलर ने ऐनी का साथ दिया. हेलेन, ऐनी के साथ ही रहेगी. हेलेन ने मिस्टर गिलमैन्स का स्कूल छोड़ दिया. फिर हेलेन और ऐनी, व्रेन्थम, मैसाचुसेट्स में रहने चले गए. वहां हेलेन ने एक निजी ट्यूटर के साथ काम किया. हेलन को रैडक्लिफ में प्रवेश करने से कोई नहीं रोक सकता था.

हेलेन ने बहुत मेहनत की. वो दिन रात पढ़ाई करती थी. हेलेन तीन साल में स्कूल खत्म करना चाहती थी. क्या वो बहुत मेहनत कर रही थी? अधिकांश छात्र मिस्टर गिलमैन के स्कूल में पांच साल बिताते थे. लेकिन हमेशा की तरह जिद्दी, हेलेन ने, पीछे हटने से इनकार कर दिया.

निरंतर पढ़ाई का उसकी सेहत पर असर पड़ा. हेलेन बीमार हो गई. उसकी बहन, मिल्ड्रेड, भी अब उसी स्कूल में पढ़ती थी. मिल्ड्रेड ने देखा कि हेलेन कमजोर लग रही थी और हमेशा थकी रहती थी. मिसेज़ केलर चिंतित हो गईं. क्या ऐनी उनकी बेटी से बहुत ज़्यादा काम करवा रही थी?

मिसेज़ केलर, हेलेन के दोस्तों से मिलीं. क्या उन्हें हेलेन को ऐनी से अलग करना चाहिए? मिस्टर गिलमैन को ऐसा लगा. हेलेन और ऐनी लगभग दस वर्षों से एक साथ थीं.



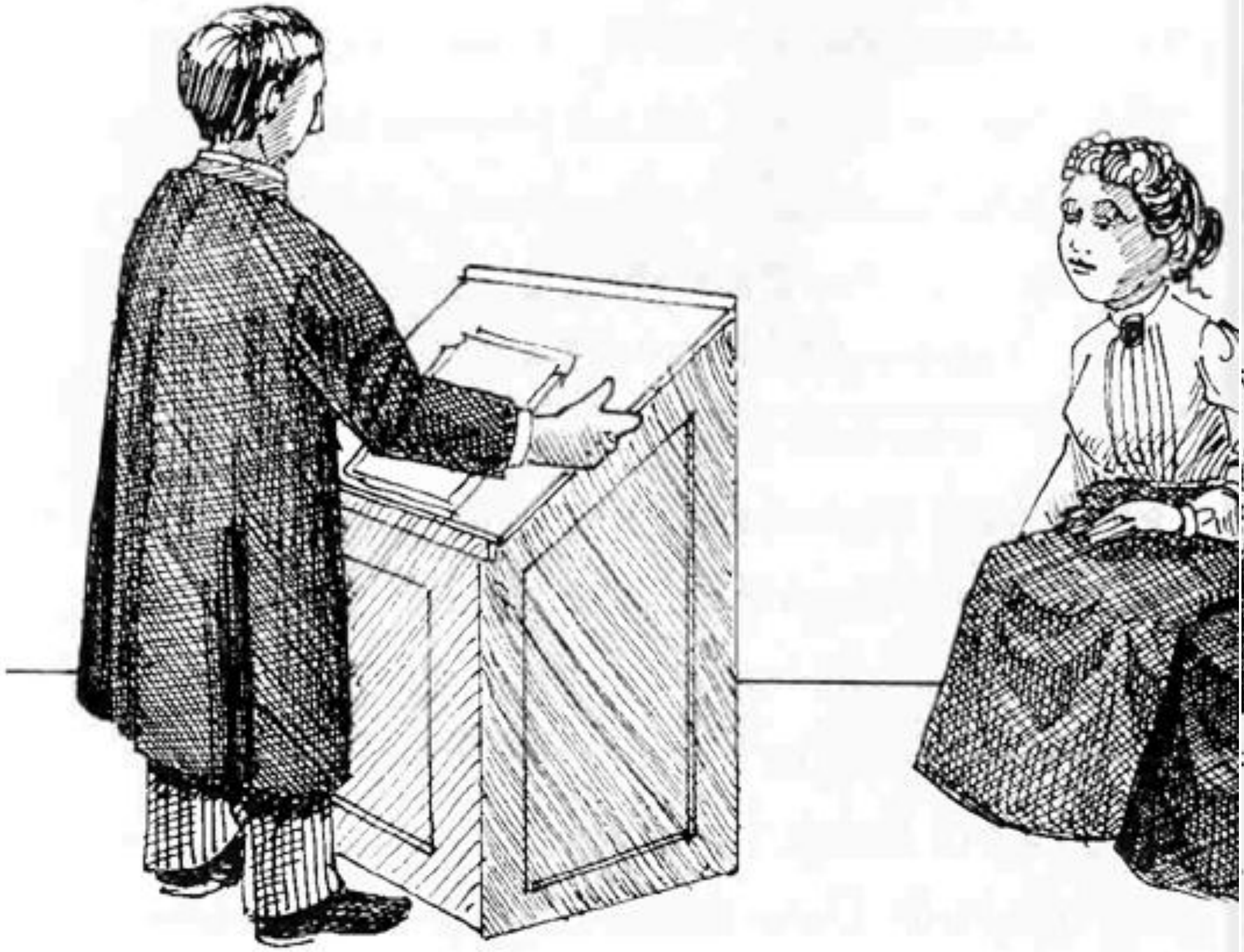
जून 1899 में, हेलेन रैडक्लिफ की परीक्षा में बैठी. वो पहले ही उन्नीस साल की थी. रैडक्लिफ में कई नए छात्र केवल अठारह साल के थे. हेलेन को डर था कि वो फेल न हो जाए. लेकिन वो अच्छे अंकों से पास हुई.

अंत में 4 जुलाई 1899 को रैडक्लिफ का स्वीकृति पत्र आया. छुट्टियों में हेलेन सबसे अधिक खुश थी. लेकिन रैडक्लिफ के डीन ने सुझाव दिया कि हेलेन प्रवेश लेने से पहले एक साल प्रतीक्षा करे. हेलेन को वो बहुत लम्बा इंतज़ार लगा. सितंबर 1900 में, हेलेन ने एक नए छात्र के रूप में रैडक्लिफ में प्रवेश किया. "मन के वंडरलैंड में," हेलेन ने कहा, "मुझे दूसरे की तरह ही स्वतंत्र होना चाहिए." हेलेन का सपना सच हो गया था.

अध्याय 9
कॉलेज के वर्ष

फिर हेलेन ने अपने कॉलेज की शुरुआत की. हेलेन को कैंब्रिज स्कूल बहुत कठिन लगा था, पर रैडक्लिफ उसके लिए एकदम असंभव था. उसके पास वहां हमेशा समय की कमी होती थी. ऐनी ने हेलेन की हथेली में व्याख्यान लिखे. ऐनी ने हेलेन को पाठ्यपुस्तकें पढ़ीं. ऐसा लगता था जैसे वे ट्रेडमिल पर हों. आराम का समय ही नहीं था नहीं तो हेलेन पिछड़ जाती.

और हेलेन खुद को अकेला महसूस करती थी. वो और ऐनी कैंपस के बाहर एक छोटे से घर में रहते थे. वो जगह हेलन के क्लास की लड़कियों से काफी दूर था. लड़कियां मिलनसार थीं, लेकिन बहुतों को यह नहीं पता था कि हेलेन के साथ को कैसे व्यवहार करें या उससे क्या कहें. कुछ को अजीब भी लगता था क्योंकि हेलेन काफी प्रसिद्ध थी. इसलिए तेजी से हाथ मिलाकर वो लड़कियां अक्सर भाग जातीं थीं.





और हेलेन हमेशा काम करती रहती थी. उसके पास खेलने, सोचने या सपने देखने का समय ही नहीं था. उसको हमेशा कोई पेपर देना होता, व्याख्यान याद करना होता, या परीक्षा के लिए तैयारी करनी होती. कॉलेज में हेलेन का पहला साल काफी कठिन और अकेला रहा.

अपने दूसरे वर्ष में, हेलेन ने "थीम" लिखना शुरू किया. उनके विषय उसके जीवन की कहानियाँ थीं.

"लेडीज होम जर्नल" पत्रिका के संपादक ने उन कहानियों के बारे में सुना. उन्होंने हेलेन से पूछा कि क्या उनकी पत्रिका उन्हें प्रकाशित कर सकती थी. उसने हेलेन को 3,000 डॉलर देने की पेशकश भी की! हेलेन काफी चकित हुईं. हेलेन के लिए वो बहुत सारा पैसा था. हेलेन राज़ी हो गई. और इस तरह हेलेन ने "मेरे जीवन की कहानी" शुरू की.

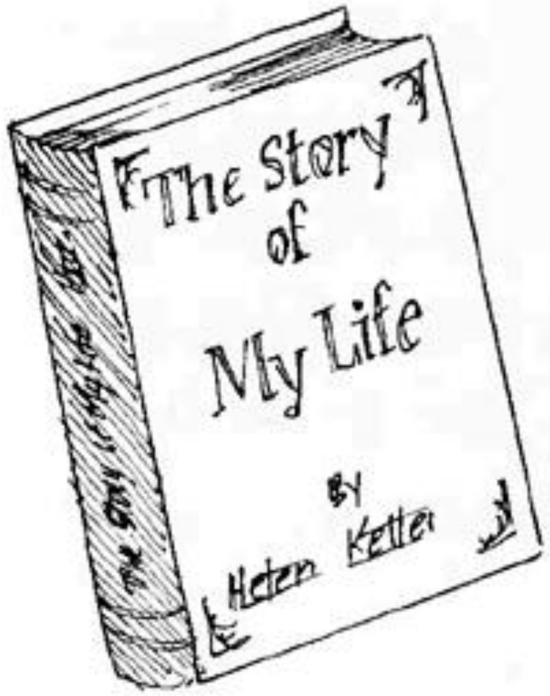
हर महीने पत्रिका ने हेलेन कहानी का एक नया अध्याय प्रकाशित किया. पहला ठीक चला. लेकिन हेलेन ने दूसरा अध्याय कुछ देरी से दिया. कहानी बहुत लंबी थी. न हेलेन को और न ही ऐनी को उसे संपादित करना आता था. वो क्या करतीं?



जॉन मैसी

दोस्तों ने उन्हें जॉन मैसी नाम के एक अच्छे संपादक के बारे में बताया. जॉन ने हेलेन को लेखों को संपादित करने में मदद की. पत्रिका को और पाठकों दोनों को, हेलेन के लेख बहुत पसंद आए. अगस्त के अंक में जब आखिरी "अध्याय" छपा, तब तक दुनिया हेलेन केलर से प्यार करने लगी थी.

जॉन मैसी ने हेलेन की कहानियों को एक किताब में संकलित करने की सोची. जॉन ने हेलेन के बचपन के पत्र और ऐनी ने हेलेन को कैसे पढ़ाया, इसका वर्णन करने वाला उसमें एक खंड भी जोड़ा.



हेलेन की किताब "द स्टोरी ऑफ माई लाइफ" हिट रही. यह किताब आज भी प्रिंट में है. वो किताब पचास से अधिक भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी है. अब हेलेन का आगे का करियर एक लेखक के रूप में था. अब कोई कभी यह नहीं कह सकता था कि वो उसकी कहानी नहीं थी. क्योंकि वो वाकई में उसके जीवन की कहानी ही थी!

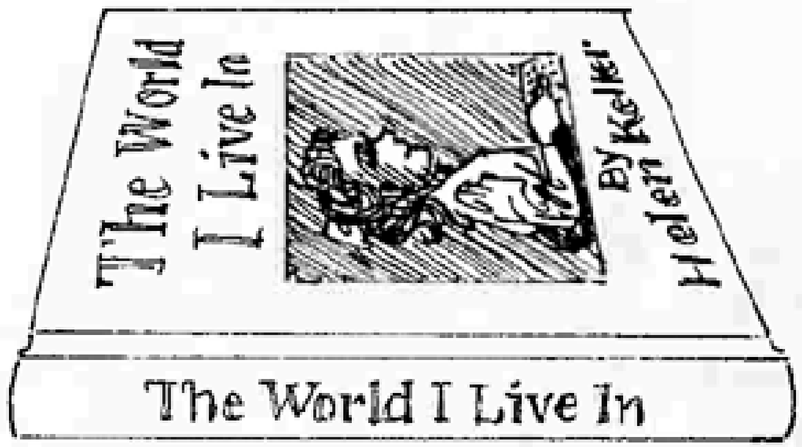
जून 1904 में, हेलेन केलर ने रैडक्लिफ से सम्मान के साथ स्नातक की डिग्री पाई. दुनिया भर के समाचार पत्रों ने इस घटना को छापा. हेलेन ने वो हासिल किया जो किसी अन्य विकलांग व्यक्ति ने कभी हासिल नहीं किया था. अब उसके पास कॉलेज की डिग्री थी लेकिन वो उसका क्या करने वाली थी?



ऐनी को भी कई बड़ी निर्णय लेने थे. ऐनी और जॉन मैसी को एक-दूसरे से प्यार हो गया था. वो ऐनी से शादी करना चाहता था. लेकिन ऐनी ने सोचा, हेलेन का क्या होगा? क्या वो अधिक स्वतंत्र जीवन जी सकती थी? ऐनी भी जॉन मैसी से शादी करना चाहती थी, और उन्होंने 1905 में शादी की. हेलेन उनके साथ ही रही.

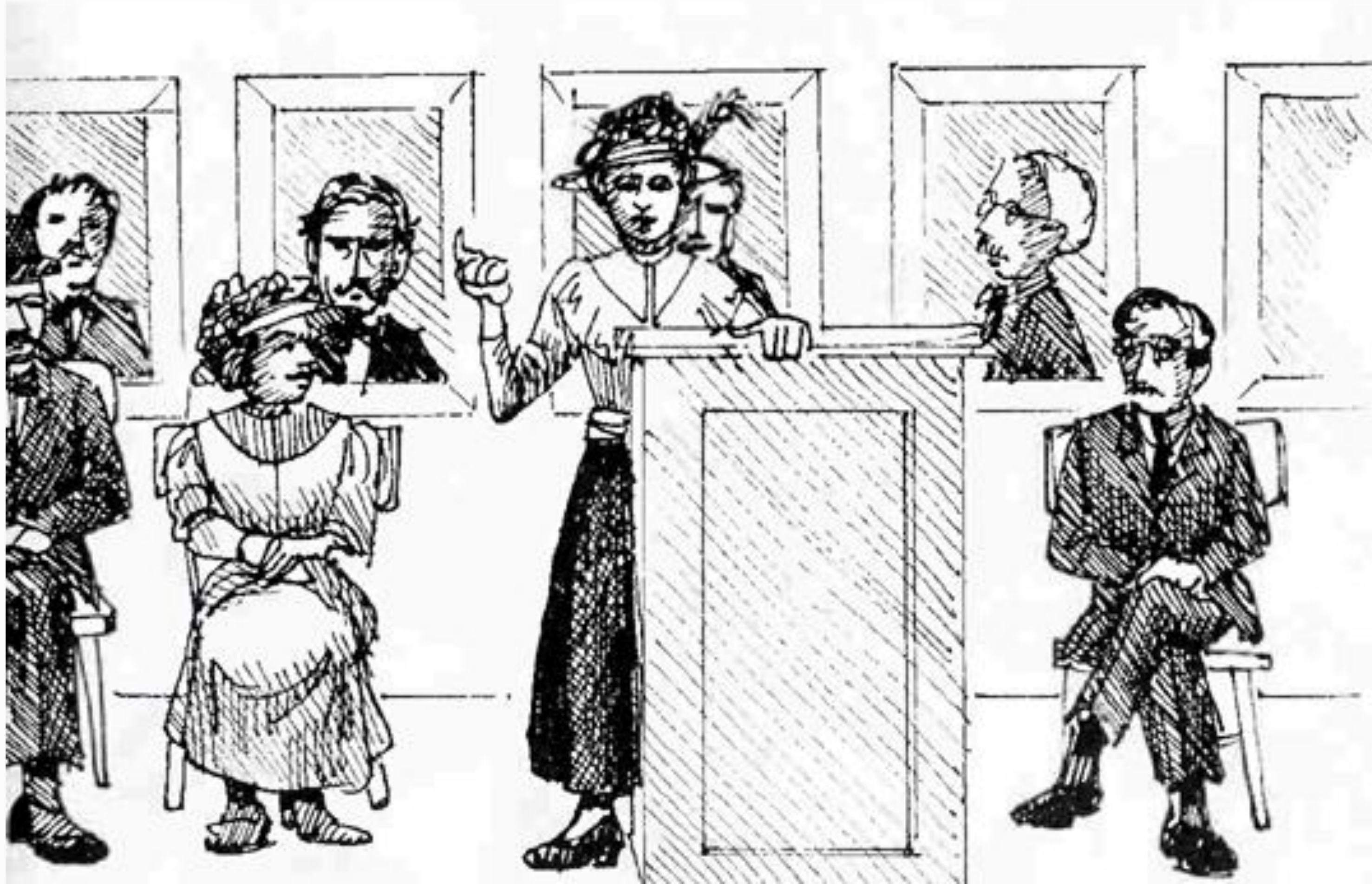
जहां तक हेलेन की बात थी वो अपना जीवन जीती रही. उसने एक दूसरी पुस्तक, "द वर्ल्ड आई लिव इन" प्रकाशित की. यह पुस्तक 1908 में छपी और उसने लोगों को हेलेन की दुनिया के बारे में बताया. इस किताब में हेलेन ने बताया कि उसने अपनी दो लापता इन्द्रियों को भरने के लिए कैसे स्पर्श, गंध और स्वाद की इंद्रियों का इस्तेमाल किया. पुस्तक में हेलेन के अद्भुत कल्पना जगत का भी खुलासा हुआ - उसने अपनी दुनिया को कैसे चित्रित किया. वो किताब भी हिट हुई. लेकिन हेलेन अपनी आजीविका कमाना चाहती थी. किताब का पैसा उसके लिए पर्याप्त नहीं था.

हेलेन और कैसे जीवनयापन कर सकती थी?



अध्याय 10
व्यस्क जीवन

हेलेन को एक सार्वजनिक भाषण देने का निमंत्रण मिला. हेलेन ने अपना पहला भाषण न्यू जर्सी के मोंटक्लेयर में दिया. ऐनी भी उसके साथ थी. फिर भी, हेलेन डरी हुई थी. क्या होगा अगर कोई उसकी बात को समझ नहीं पाया? हेलेन ने अपने जीवन के बारे में बात की. उसकी आवाज स्पष्ट नहीं थी, लेकिन किसी ने उसकी परवाह नहीं की. दर्शकों ने उसे खूब प्यार दिया. हेलेन को भाषण देने के लिए बहुत सारे निमंत्रण मिले.





फिर हेलेन और ऐनी दोनों एक लेक्चर टूर पर गईं. उन्होंने 1913 में अमेरिका के विभिन्न शहरों का दौरा किया. उसने अपने जीवन और अपनी भावनाओं के बारे में बात की और उसने जो हासिल किया उसके बारे में भी बताया. ऐनी, हेलेन का परिचय कराती और अंत में फिर से कुछ बोलती थी. हेलेन जहां भी गई, उसका बड़ी गर्मजोशी से और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ अभिवादन हुआ.

हेलेन मंच पर इतनी सफल रही कि कुछ लोगों ने उसके जीवन और उसकी भावनाओं के बारे में एक फिल्म बनाने के लिए उसे आमंत्रित किया. हेलेन और ऐनी ने हॉलीवुड जाकर "डिलीवरेंस" नाम की एक मूक फिल्म बनाई. ऐनी और हेलेन को लगा कि वे फिल्म से अच्छा पैसा कमाएंगे. उन्हें फिल्मी सितारों की तरह अमीर और प्रसिद्ध बनने की उम्मीद हुई. लेकिन फिल्म सफल नहीं हो पाई.

निराश, हेलेन और ऐनी व्रेन्थम लौट आए. और अब उनके सामने एक नई समस्या खड़ी थी. ऐनी की आंखों की रोशनी लगातार कम हो रही थी. ऐनी और जॉन अलग हो गए थे. ऐनी अपनी शादी के असफल होने से आहत थी. अब उसे अंधी होने के डर भी था. दोनों ने आराम किया. हेलेन ने उसके पास आए कई पत्रों का उत्तर दिया. हेलेन काफी प्रसिद्ध थी, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति खस्ता थी. हेलेन को पैसे कमाने का तरीका सोचना पड़ा. तभी उसे एक ऑफर मिला.

न्यूयॉर्क के वाडेविल एजेंटों ने हेलेन और ऐनी से मुलाकात की. वाडेविल एक स्टेज शो था जो विभिन्न खंडों की एक श्रृंखला से बना था. एजेंटों ने कहा कि क्या हेलेन और उसकी टीचर उनके लिए बीस मिनट का एक शो बनाएंगी. ऐनी और हेलेन के दोस्तों को यह विचार पसंद नहीं आया. हेलेन की मां ने इस विचार का सख्त विरोध किया. उसमें दर्शक सिर्फ एक अंधी और बहरी महिला को देखने के लिए आते. लेकिन हेलेन ने लोगों के विचारों की परवाह नहीं की. उसने सोचा कि उसे उसमें मज़ा आएगा. पर हमेशा की तरह, एक बार जब हेलेन कुछ करने का फैसला लेती, तो फिर अपना मन नहीं बदलाती थी.

शो का पहला प्रदर्शन 24 फरवरी, 1920 को न्यूयॉर्क शहर के पैलेस थिएटर में हुआ. टीचर ने शो की शुरुआत की. अपने आयरिश उच्चारण में उन्होंने बताया कि उन्होंने सबसे पहले हेलेन को कैसे पढ़ाया था. फिर थिएटर संगीत से भर गया. उसके बाद हेलेन ने पर्दा खोला और मंच पर आई. फिर उन्होंने उस "चमत्कार" के बारे में बताया, जिस दिन ऐनी ने "पानी" शब्द लिखा था और हेलेन को उसका अर्थ समझ में आया था.



उनके अभिनय के अंत में, दर्शकों ने तालियां और तालियां बजाईं. हेलेन ने दर्शकों को पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया था. जल्द ही हेलेन और ऐनी सबसे अधिक भुगतान पाने वाले कलाकारों में से एक बन गए. वे प्रति सप्ताह 2,500 डॉलर तक कमाते थे. ऐनी को चिंता होने लगी कि इतने लोग मंच पर आते थे कहीं उससे हेलन को कोई चोट न लग जाए या वो मंच से गिर न जाए. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. लोग हेलेन की प्रशंसा करने के लिए आते थे. और हेलेन को वाडेविल से प्यार हो गया था. उसे अन्य कलाकारों से "बात करना" भी पसंद था. उसे मंच के पीछे की महक बहुत पसंद थी. हेलेन वाडेविल को अपने परिवार की तरह ही महसूस करती थी.

1924 में, हेलेन ने एक नया काम शुरू किया, जो उसने अपने शेष जीवन तक किया. अमेरिकन फाउंडेशन फॉर द ब्लाइंड ने हेलेन को उनके साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया.

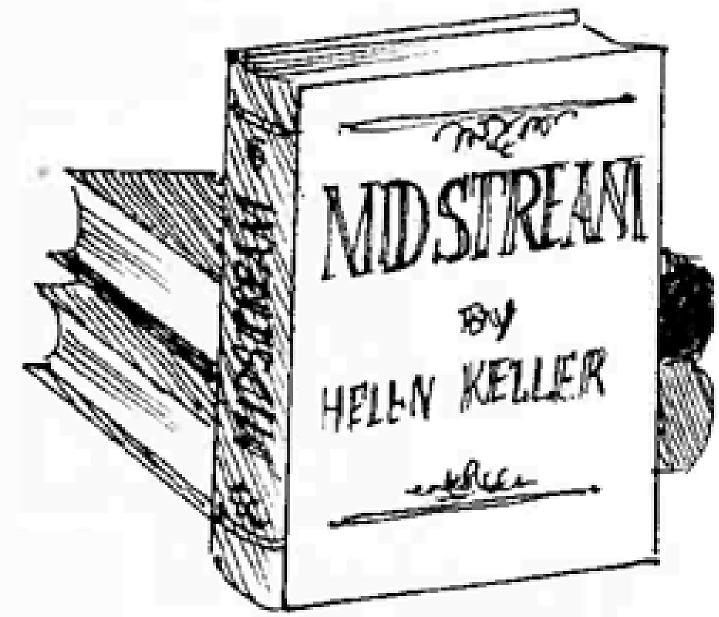


हेलेन लोगों से मिलती, नेत्रहीनों के बारे में बात करती और धन जुटाती. हेलेन को वो काम अच्छा लगा. उसे नेत्रहीनों की मदद करने का वो एक अच्छा तरीका लगा. और इसलिए हेलेन नेत्रहीनों की एक एम्बेसडर बन गई. वो राजाओं, रानियों और राष्ट्रपतियों से मिली. ऐनी उसके साथ-साथ गई.

1925 में, हेलेन ने एक और किताब लिखने के लिए एक साल की छुट्टी ली. हेलेन को अपने जीवन के सबसे हाल के वर्षों के बारे में लिखने के लिए कहा गया. उन्होंने रैडक्लिफ, द फाउंडेशन फॉर द ब्लाइंड, और उनके जीवन में आए लोगों के बारे में और अपने अंतिम वर्षों के बारे में लिखा.



1929 में, "मिडस्ट्रीम" प्रकाशित हुई. वो पुस्तक भी एक बेस्ट-सेलर बनी.



1929 वो वर्ष भी था जब शेयर बाजार ध्वस्त हुआ और महामंदी शुरू हुई. अमरीका में लाखों लोगों ने अपनी नौकरी और अपना पैसा खो दिया.

ऐनी बीमार हो गई. उसकी दृष्टि बद से बदतर होती चली गई. बाद में, उसने अपनी दृष्टि पूरी तरह खो दी. टीचर के लिए हेलेन का दिल टूट गया. उसने सुनिश्चित किया और टीचर का अच्छी तरह से ध्यान रखा. फिर ऐनी के स्थान पर पोली थॉमसन नामक एक सचिव ने हेलेन के लिए काम करना शुरू किया.

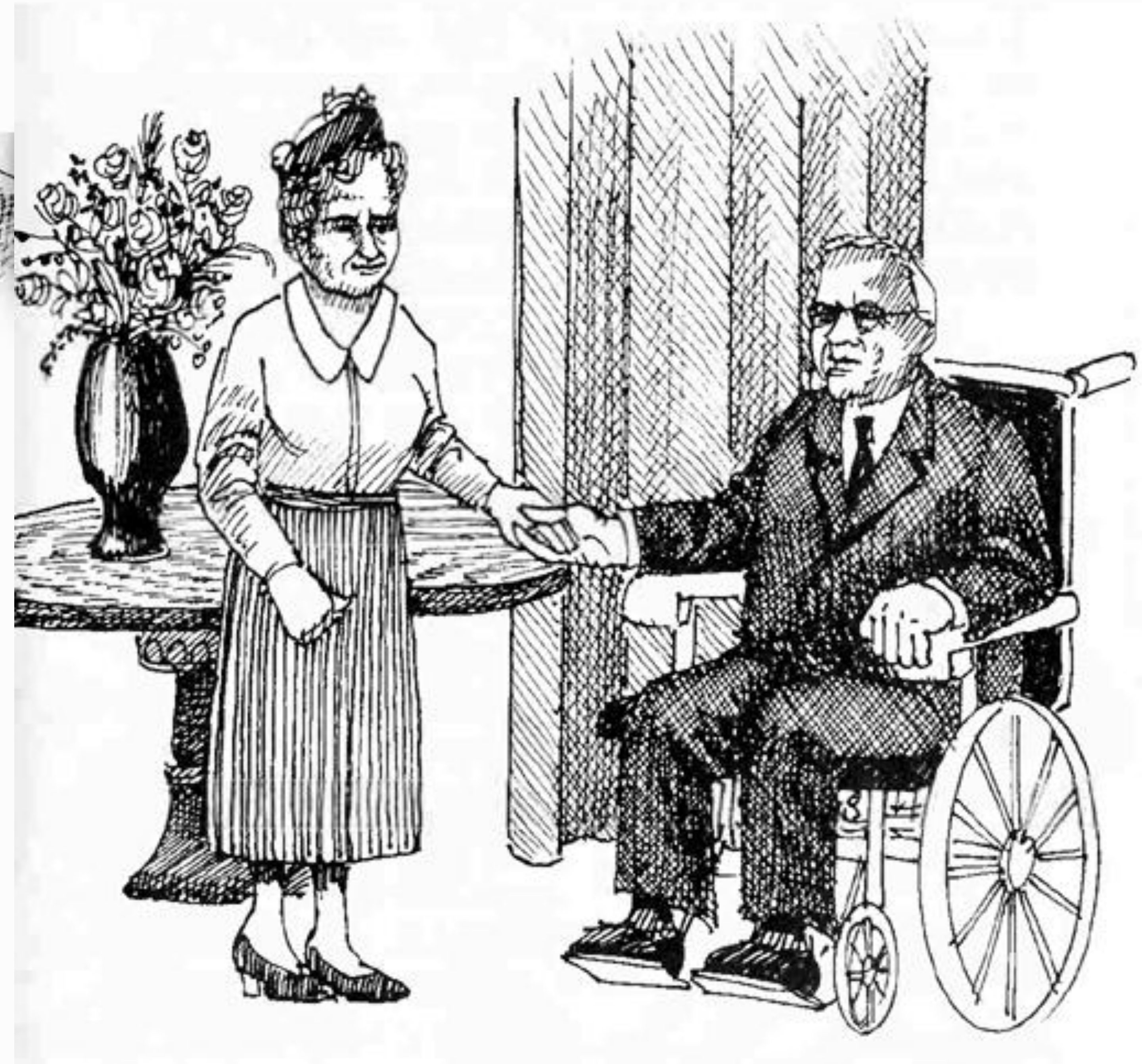
फिर, 1936 में, ऐनी सुलिवन की मृत्यु हो गई. लगभग पचास वर्षों से टीचर ऐनी, हेलेन के जीवन का केंद्र रही थी. क्या हेलेन ऐनी के बिना रह सकती थी? बहुत से लोगों ने सोचा था उसके बाद हेलेन का पतन होगा. लेकिन वैसा नहीं हुआ. हेलेन अपने दिल में जानती थी कि उसे आगे बढ़ना था. वो दुनिया से पीछे नहीं हट सकती थी.

टीचर ऐनी ऐसा कभी नहीं चाहतीं.



हेलेन सिर्फ पोली की मदद से काम करती रही. हेलेन ने फाउंडेशन के लिए बोलना जारी रखा. हेलेन ने राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट से मुलाकात की, जिन्हें पोलियो हुआ था. उनके पैरों में ब्रेसेस थे और वो व्हीलचेयर का इस्तेमाल करते थे. उन दोनों ने यह साबित किया था कि लोग चाहें तो गंभीर बाधाओं को भी दूर करके महान चीजें हासिल कर सकते हैं. हेलेन ने नेत्रहीनों की मदद के लिए कानून पारित करवाने का काम किया. नेत्रहीनों को स्कूल और नौकरी के प्रशिक्षण के लिए पैसे मिल ने लगे. सार्वजनिक पुस्तकालयों को बोलने वाली किताबें उपलब्ध कराने के लिए धन दिया गया. इन कानूनों ने नेत्रहीनों को स्वतंत्र रूप से जीने में मदद की.

1930 के दशक के अंत में हेलेन ने जापान का दौरा किया. जापानी लोग हेलेन केलर के बारे में पहले से ही जानते थे, पर वहां कई लोगों को उसके बारे में कहानियों पर विश्वास नहीं था.



राष्ट्रपति रूजवेल्ट के साथ हेलेन

फ्रेंकलिन डेलानो रूजवेल्ट

फ्रेंकलिन डेलानो रूजवेल्ट अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति थे. जब वो 39 वर्ष के थे, तब वो पोलियोग्रस्त हो गए थे. वो लेग ब्रेस और बैसाखी की सहायता के बिना चलने में सक्षम नहीं थे. लेकिन उनकी अक्षमता ने उन्हें सबसे महान राष्ट्रपतियों में से एक बनने से नहीं रोका. उन्होंने महान मंदी के दौरान कार्यभार संभाला और कई सरकारी कार्यक्रम शुरू किए, जो बेरोजगार लोगों को काम पर वापस लाए. उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान देश का नेतृत्व भी किया.



अपनी रेडियो उपस्थिति के माध्यम से, जिसे "फायरसाइड चैट्स" के रूप में जाना जाता था, राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने महान संकट और अनिश्चितता के समय में अमेरिकियों को आशा दी. 1945 में उनकी मृत्यु हो गई, तब द्वितीय महायुद्ध अंत के करीब था. वो चार बार चुने गए थे और उन्होंने सबसे लंबे काल तक राष्ट्रपति के पद पर काम किया.

जापान में, नेत्रहीनों के साथ बहुत खराब व्यवहार किया जाता था. उन्हें सरकार से बहुत कम स्कूली शिक्षा या मदद मिलती थी. हेलेन के टूर ने उसे बदला. यह जानने के बाद हेलेन को कुत्तों से बहुत प्यार था, जापानी लोगों ने उसे एक सुंदर "अकिता" कुत्ता भेंट किया. इस उपहार ने दिखाया कि वे हेलेन का कितना सम्मान करते थे. फिर हेलेन घर लौट आई.





1945 में द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद, हेलेन ने एक बार फिर पूरी दुनिया की यात्रा की. उनकी मुलाकात नेत्रहीन सैनिकों से हुई. हेलेन ने उन्हें प्रेरित किया, उन्हें आशा दिलाई.

हेलेन ने जीवन भर विकलांगों के लिए बोलना जारी रखा. वो ग्रोवर क्लीवलैंड से लेकर, जॉन एफ. कैनेडी तक हर राष्ट्रपति से मिलीं.

1954 में, हेलेन ने एक और पुस्तक "टीचर : ऐनी सुलिवन मैसी" प्रकाशित की. वो उस व्यक्ति के जीवन के बारे में थी जिसने कई मायनों में हेलेन को अपनी जान दी थी.

ब्रॉडवे पर 1959 में "द मिरेकल वर्कर" नामक एक नाटक शुरू हुआ. उसने भी, युवा हेलेन और उसकी टीचर की कहानी को बताया. बाद में, नाटक को एक लोकप्रिय फिल्म में बनाया गया.

1 जून, 1968 को हेलेन की मृत्यु हुई. वो लगभग अट्ठासी वर्ष की थीं. उन्होंने लाखों लोगों को प्रेरित किया. उनकी कहानी आज भी हमें प्रेरणा देती है.



समाप्त